54 वर्ष पुराना दैनिक समाचार पत्र | पंजीयक-पंजीयन संख्या- 25059/73 (79) | डाक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24 | Web: muzaffarnagarbulletin.co.in

न्यूनतम 9.3°c अधिकतम 21.9 °c

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606 संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

सूर्योदय - 7:05, सूर्यास्त - 6:01 | वर्ष : 54/ अंक : 36 | शुक्रवार, 06 फरवरी 2026 | फाल्गुन, कृष्ण पक्ष, पंचमी | सम्वत 2082 | मूल्य : 3 रुपये | कुल पृष्ठ : 4

अमृतवाणी

खुद की समझदारी भी अहमियत रखती है वरना अर्जुन और दुर्योधन के गुरू तो एक ही थे।

मोहब्बत की दुकान में जो आग भरी पड़ी है, उसका परिणाम है इसलिए ये मोदी की कब्र खोदने का नारा लेकर चल रहे हैं : मोदी

मोहब्बत की दुकाँ में आग से निकले हुए नारे... विचारों की भरी दुनिया जलाकर खाक कर देंगे.......

जीते जी न मिला प्रेम तो पहले प्रेमिका को मारा फिर खुद दे दी जान

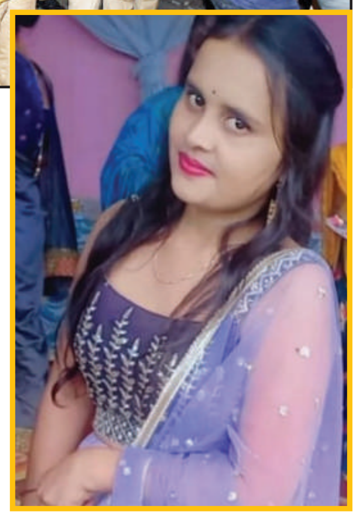

मुजफ्फरनगर, 5 फरवरी (बु.)। जानसठ थाना क्षेत्र के गांव भलवा से गुरूवार को सनसनीखेज घटना सामने आई, जिसमें प्रेम सम्बंधों में पहले प्रेमी ने प्रेमिका को गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया फिर इसे ही अपराध मानते हुए खुद को भी मौत के गले लगा लिया। दोनों की मौत एक ही हथियार से हुई। बताया जा रहा है कि भलवा निवासी विजयपाल की 27 वर्षीय पुत्री प्रगति व रोहित के बीच प्रेम प्रसंग लम्बे समय से चल रहा था। दोनों गुड़गांव रहकर नौकरी कर रहे थे। तीन माह पहले प्रगति के परिजनों ने नौकरी छुड़वाकर उसे वापस अपने गांव बुला लिया। इसी बीच रोहित भी वापस लौट आया और रोडवेज कंडक्टर के रूप में संविदा पर नौकरी करने लगा। क्षेत्र के लोगों की माने तो प्रगति के परिजनों में से एक व्यक्ति रोहित से प्रेम-प्रसंग के खिलाफ था, उसी के कारण प्रगति का रिश्ता कहीं और तय कर दिया गया और रोहित के परिजनों ने भी रोहित का रिश्ता किसी और लड़की से तय कर दिया। 8 फरवरी को प्रगति की शादी होने जा रही थी जबकि इसी माह की 28 फरवरी को रोहित की शादी होनी थी। मगर आज गुरूवार को एकाएक रोहित प्रगति के घर पहुंचा और कमरा बंद करके शोर मचाते हुए प्रगति से बात करने लगा। बात करते-करते रोहित ने प्रगति को धारदार हथियार से गला काटकर मौत के घाट उतार दिया उसके बाद खुद का गला रेतकर भी मौत के गले लगा लिया। सनसनीखेज घटना की सूचना जैसे ही पुलिस को मिली तो पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच में जुटी गयी। एसएसपी संजय कुमार वर्मा का कहना है कि प्रथम दृष्टया दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग का मामला था और पुलिस आगे मामले की जांच कर रही है।

एक माह पहले तक दोनों घरों में था दांत काटी रोटी जैसा माहौल

मुजफ्फरनगर। क्षेत्रीय लोगों की माने तो रोहित तीन माह पहले रोडवेज पर संविदा की नौकरी मिलते ही गुड़गांव से लौट आया था। इसके दो माह के बाद प्रगति भी अपने घर वापस लौट आई थी। प्रगति के वापस आने के बाद भी घर में खुशी का माहौल था। ऐसा लग रहा था कि मानों दोनों के परिजन एक दूसरे की शादी को तैयार हैं और दोनों घरों के लोगों का एक दूसरे के घर आना-जाना, खाना-पीना सबकुछ ठीक से चल रहा था। लेकिन इस बीच अचानक क्या हुआ यह दूर-दूर तक भी खबर किसी को नहीं लगी। यह भी किसी को अंदाजा नहीं था कि दोनों का विवाह न करने का अंजाम उन्हें दोनों की मौत देखकर भुगतना पड़ेगा। कुल मिलाकर परिवारों में आज गमगीन माहौल है और दोनों परिवार प्रेमी युगल की मौत के बाद रोते-बिलखते देखे गए और बिना बोले ही सिर्फ आंसू बहा रहे हैं।

दो बच्चों के पिता से की जा रही थी प्रगति की शादी

मुजफ्फरनगर। क्षेत्र के लोगों का बताना है कि प्रगति का विवाह दो बच्चों के पिता से किया जा रहा था। इस बात रोहित आहत था। रोहित नहीं चाहता था कि भरी जवानी में प्रगति अपने से ज्यादा बड़ी उम्र के व्यक्ति के साथ विवाह के बंधन में बंधे मगर एक ऐसी मजबूरी थी जिस कारण प्रगति के परिजनों को दो बच्चों के पिता से विवाह कराना पड़ा रहा था। प्रगति को कोई आन्तरिक समस्या थी, इसी कारण से विवाह करने वाले परिवार को प्रगति की समस्या के बारे में बताकर बिना धोखा दिये परिजन प्रगति का विवाह कहीं और कर रहे थे।

28 फरवरी को होने वाली रोहित की शादी भी तोड़ी जा चुकी थी

मुजफ्फरनगर। रोहित के परिजनों का बताना है कि उन्होंने भी मजबूरी में ही रोहित का विवाह दूसरी जगह तय किया था। 28 फरवरी को फेरे होने थे मगर उससे पहले ही रोहित ने प्रगति से यह पूछकर कि क्या वह उससे विवाह कर लेगी। प्रगति के हां कहने के बाद रोहित ने अपनी शादी तोड़ दी थी। मगर जैसे ही प्रगति की शादी की तारीख नजदीक आई और प्रगति ने उससे किये हुए वादे के अनुरूप कोई गतिविधि नहीं दिखाई, सम्भवतः इसी कारण दोनों में मनमुटाव हुआ और बात दोनों की मौत तक पहुंच गई।

मुस्लिम युवती से प्रेम करना पड़ा महंगा

युवती के परिजनों से परेशान होकर सहारनपुर के युवक ने दे दी जान

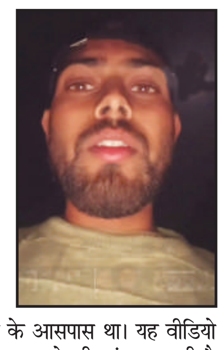

सहारनपुर, 5 फरवरी (एजेंसी)। सहारनपुर के फतेहपुर के रहने वाले नयन कैथल नाम के युवक ने इंस्टाग्राम पर अपनी वीडियो अपलोड करने के बाद मौत को गले लगा लिया। युवक ने वीडियो में साफ बताया कि वह कई साल से एक मुस्लिम युवती अदीबा जावेद से प्रेम कर बैठा था। जैसे ही इस बात का पता परिजनों को चला तो उन्होंने अलग-अलग प्रताड़नाएं देकर युवक नयन को परेशान करना शुरू कर दिया। मुस्लिम युवती के परिजनों की प्रताड़नाओं से परेशान आकर आज मौत को गले लगा बैठा। वीडियो में युवक ने साफ बताया कि वह युवती के परिजनों की प्रताड़ना से परेशान होकर जान दे रहा है। वीडियो में पीछे से रेल के गुजरने की आवाज भी आ रही है, जिससे आशंका व्यक्त की जा रही जिस वक्त इस वीडियो शूट किया गया वह रेलवे लाइन के आसपास था। यह वीडियो बनाने के बाद युवक ने अपने तुरन्त जान दे दी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और वीडियो के आधार पर ही दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जानी सुनिश्चित की गयी है।

100 साल की उम्र में बाइज्जत बरी, 42 साल पुराने कत्ल के मामले में कोर्ट का फैसला

हमीरपुर, 05 फरवरी (एजेंसी)। हमीरपुर में हुई हत्या के एक मामले में 100 साल का बुजुर्ग बरी कर दिया गया है। कोर्ट ने कहा कि जीवन की अंतिम बेला में सजा देना न्याय को निरर्थक बना देता है। हमीरपुर निवासी शख्स ने आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ अपील दायर की थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जब कोई व्यक्ति अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर हो तो दशकों की देरी के बाद उसे सजा देना न्याय को एक निरर्थक अनुष्ठान में बदलने जैसा है। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने 42 साल पुराने हत्या के मामले में 100 साल की आयु पूरी कर चुके बुजुर्ग को बरी कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति चंद्र धारी सिंह और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने दिया है।

मुजफ्फरनगर पुलिस का "ऑपरेशन सर्च लाईट" शुरू

भगवा चोले की आड़ में ठगी करने वाले 'मुस्लिम बाबा गैंग' का पदार्फाश, 6 गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, 5 जनवरी (बु.)। जनपद की ककरौली थाना पुलिस ने एक ऐसे शातिर गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो भगवा वेश धारण कर और हिंदू नाम रखकर भोले-भाले ग्रामीणों को अपनी ठगी का शिकार बनाता था। पुलिस ने इस गिरोह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जो मूल रूप से मुस्लिम हैं लेकिन जोगी का भेष बनाकर ठगी और रेकी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। साथ ही फर्जी पहचान और भगवा वेश को हथियार बनाकर हजारों के वारे के न्यारे कर रहे थे। पकड़े गए अभियुक्तों की पहचान शकील, शौकीन, इकबाल, सजील, अयूब और हनीश के रूप में हुई है। ये सभी बुढ़ाना क्षेत्र के जोला गांव के निवासी हैं और वर्तमान में मीरापुर में किराए का कमरा लेकर रह रहे थे। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि ये लोग पिछले 5-7 वर्षों से प्रशिक्षित होकर इस काम को कर रहे थे। ये लोग शुद्ध हिंदी और संस्कृतनिष्ठ भाषा का प्रयोग कर ग्रामीणों को आशीर्वाद देते थे और खुद को गोरखनाथ बाबा का भक्त बताते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में सामग्री बरामद की है, जिसमें 6 फर्जी आधार कार्ड (हिंदू नामों वाले) भगवा चोले (वस्त्र), आशीर्वाद देने वाली लोहे की चेन और मोर पंख। सारंगी, डमरू, डफली, खंजरी और कलावा, चंदा मांगने की रसीदें और पारदर्शी थैली में 'भभूत' आदि है। इस गिरोह को पकड़ने में एसपी आरए आदित्य बंसल, सीओ भोपा देवव्रत वाजपेई और ककरौली थाना प्रभारी जोगेंद्र कुमार की टीम ने मुख्य भूमिका निभाई। एलआईयू और आईबी की टीमें भी मामले की अन्य पहलुओं से जांच कर रही हैं। पुलिस अब गिरोह के फरार अन्य 6 सदस्यों की तलाश में जुटी है।

शेष समाचार पृष्ठ-4 पर

आचार संहिता उल्लंघन में राजपाल बालियान समेत 10 आरोपी साक्ष्य के अभाव में बरी

मुजफ्फरनगर, 5 फरवरी (बु.)। आचार संहिता उल्लघंन के मामले में कोर्ट ने बुढ़ाना विधानसभा सीट से विधायक राजपाल बालियान समेत दस आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। उक्त प्रकरण चार वर्ष से कोर्ट में विचाराधीन था। बचाव पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता ओमकार सिंह तोमर व जसवीर बालियान ने बताया कि वर्ष 2022 में विधानसभा चुनाव के दौरान बिना अनुमति के जनसभा करने के मामले में फुगाना थाने में विधायक राजपाल बालियान व उनके समर्थकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गयी थी। फुगाना थाने के एसआई मूलचंद ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था कि चुनाव के दौरान धारा-144 लागू थी। वहीं केन्द्र सरकार की ओर से जारी दिशा निर्देश के तहत कोविड-19 की वजह से सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक व राजनैतिक आयोजनों पर प्रतिबंध लगा था। बृहस्पतिवार को इस मामले को लेकर एसीजेएम-1 की कोर्ट में सुनवाई हुई। एसीजेएम-1 ने सुनवाई करते हुए बुढ़ाना विधायक राजपाल बालियान, करौंदा महाजन स्थित सोसाइटी के पूर्व चेयरमैन नरेन्द्र कुमार, पूर्व चेयरमैन नरेश कुमार, कुरावा के पूर्व प्रधान चरण सिंह, लोई के पूर्व प्रधान दिलशाद, करौदा महाजन के प्रधान जोगिन्द्र, विनोद, विनय, संजय शर्मा निवासी खेड़ामस्तान एवं विनोद निवासी फुगाना को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

अतिक्रमणकारियों के मसीहा बनेंगे सपाई, तभी तो वोट मिलेंगी भाई

मुजफ्फरनगर, 5 फरवरी (बु.)। शहर की सड़कों पर पैर रखने की जगह नहीं है। सड़कों के बीचोंबीच ठेले खड़े करके पूरे शहर को जाम करने जैसे हालात अतिक्रमणकारियों ने बनाए हुए हैं। कहीं भगत सिंह रोड पर शौचालय को घेरा जा रहा है तो कहीं झांसी की रानी चौक के पास सफेद पट्टी से चार फुट आगे ठेले खड़े कर-के खूब शोर मचा-मचाकर फल और सब्जियां बेची जा रही हैं। यही हाल मालवीय चौक तक का हो चुका है, मगर नेता अपने वोट बंटोरने के लिए अतिक्रमणरियों की सिफारिशें लखनऊ तक करते हैं। ये बेचारे गरीब हैं कहकर 5-5 करोड़ रुपये की दुकानों के आगे हठधर्मिता करते हुए गरीब कहलाने वाले ठेला चालक दुकानदार की दुकान में जाने का रास्ता तक नहीं छोड़ते मगर इन सब बातों से नेताओं का क्या लेना-देना, क्योंकि नेता तो 365 में से 200 दिन लखनऊ और दिल्ली रहते हैं। न उन्हें सड़कों पर घूमना है और न उन्हें इस बात का एहसास होगा कि किस तरह आम नागरिक कभी स्कूल, कभी ऑफिस तो कभी अपने दुकानों को खोलने में इसी जाम के कारण लेट हो जाते हैं। शहर के सुधार की बात करना तो दूर उल्टा नेताजी विपक्ष में बैठकर भी अपने मतदाताओं को रिझाने के लिए अतिक्रमण न हटाने की सिफारिशें सरकार के अधिकारियों को जमकर कर रहे हैं। ऐसे में आम आदमी को भी पता होना चाहिए कि आखिर अतिक्रमणकारियों का साथ देना विपक्ष के नेताओं का काम हो चला है, चूंकि भाजपाइयों को तो पहले से ही शहर की चिंता नहीं है। पिछले दस साल में उन्हीं के शासनकाल में ये अतिक्रमण खूब हो रहे हैं और वे भी इसी वजह से खामोश रहते हैं कि कहीं हमारे वोट न कट जाएं। यह तो नहीं पता कि अतिक्रमणकरियों के कितने वोट भाजपाइयों या सपाइयों को मिलते हैं मगर यह पता जरूर लग रहा है कि भाजपाई खामोशी से तो सपाई सिफारिश करके अतिक्रमणकारियों को सिर चढ़ाने का काम कर रहे हैं। इसी कारण सड़कों के बीच तक अतिक्रमण हो रहा है और सपाई खूब सिफारिशें प्रशासन को इनके हित में लगा रहे हैं।

शिवचौक से हटा अतिक्रमण तो धौंस दिखाने लगे अतिक्रमणकारी

मुजफ्फरनगर। चोरी और सीना जोरी का दृश्य उस समय देखने को मिला जब दोपहर बाद नगर पालिका की टीम फिर एक बार भगत सिंह रोड स्थित शौचालय से अतिक्रमण हटवाने के लिए पहुंची। जब एक दुकानदार का बोर्ड हटाया गया तो ऐसे धौंस पिलाने लगा जैसे उसके चाचा ने बैनामा कर दिया हो और कहने लगा कि पहले औरों का अतिक्रमण हटवाओ जो लगा हुआ है, मगर नगर पालिका ने उसकी कोई बात न मानते हुए तुरन्त हॉर्डिंग को हटवाने का काम किया। बड़ी बात यह है कि लगातार पालिका की टीम अपना काम करती दिख रही है मगर फिर भी अतिक्रमणकारी सिफारिशें कराने से बाज नहीं आ रहे और दिन पर दिन पालिका कर्मियों को ही सीना चौड़ा करके उनका विरोध करने को तैयार है, क्योंकि उन्हें पता है कि उनके पीछे सपा नेता सिफारिश और सामान छुड़वाने के लिए बैठे हैं।

फिल्मी स्टाइल में मुजफ्फरनगर पुलिस की गाड़ी में थार से दबंगों ने मारी सीधी टक्कर, तीन गिरफ्तार

हरिद्वार/ज्वालापुर, 5 फरवरी (बु.)। हरिद्वार के ज्वालापुर क्षेत्र में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब धोखाधड़ी के एक आरोपी को छुड़ाने के लिए आरोपी के बेटे और उसके साथियों ने मुजफ्फरनगर पुलिस की टीम पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने पुलिस के वाहन को अपनी गाड़ियों से जोरदार टक्कर मारकर गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर तुरंत ज्वालापुर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरनगर जनपद के थाना छपार से उप-निरीक्षक अनुराग सिंह अपनी टीम के साथ ज्वालापुर पहुंचे थे। पुलिस टीम धोखाधड़ी के मामले में वांछित अभियुक्त संजय पुत्र राजपाल को गिरफ्तार कर वापस ले कर आ रहे थे। जैसे ही पुलिस की गाड़ी भूमानंद अस्पताल के पास पहुंची, तभी अभियुक्त संजय के पुत्र ईशान्त ने अपने साथियों

▶ धोखाधड़ी के आरोपी पिता को गिरफ्तार कर मुजफ्फरनगर ला रही थी पुलिस

के साथ मिलकर फिल्मी अंदाज में पुलिस के वाहन को घेर लिया और अपने पिता को छुड़ाने की नीयत से आरोपियों ने अपनी थार और स्कॉर्पियो गाड़ियों से पुलिस के वाहन पर सीधी टक्कर मार दी। इस अचानक हुए हमले में पुलिस टीम के सदस्यों को चोटें आई साथ ही उनका सरकारी वाहन भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही ज्वालापुर कोतवाली पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर तीन हमलावरों को दबोच लिया। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई थार और स्कॉर्पियो को भी जब्त कर लिया है। उप-निरीक्षक अनुराग सिंह की तहरीर पर कोतवाली ज्वालापुर में मुकदमा अपराध संख्या 93/2026 पंजीकृत किया गया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराओं 109(1), 121(1), 132, 191(2), 324(4), 351(2), 352, और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। ज्वालापुर पुलिस ने जिन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया उनका नाम, ईशान्त पुत्र संजय, शिवम मलिक पुत्र अनुज मलिक, अमन पुत्र गजेंद्र सभी आरोपी निवासी सुभाष नगर, कोतवाली ज्वालापुर, हरिद्वार उत्तराखंड के रहने वाले है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि घटना में शामिल अन्य साथी फरार है। जिनकी तलाश में दबिश दी जा रही है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

खुलकर लगाए जिला चिकित्सालय कर्मियों पर ऑपरेशन के 25-30 हजार मांगने के आरोप, मगर भाजपा शासन में किसी का बिगड़ता क्या है?

मुजफ्फरनगर, 5 फरवरी (बु.)। जल्द ही महाशिवरात्रि का पर्व आने वाला है, ऐसे में मुजफ्फरनगर की ओर से कई कांवड़िए गुजर रहे हैं और बुधवार शाम को अचानक एक कांवड़िए विकास मेहरा निवासी टीकरी, जिला बागपत की रीढ़ की हड्डी में दर्द हो गया। विकास मेहरा ने बताया कि बहादराबाद टोल से रुड़की बाईपास पार करते समय वह बारिश में पैर फिसल जाने के कारण गिर गया था और वह 51 लीटर जल के साथ गिरा तो उसकी कमर में दर्द होने लगा। जैसे कैसे वह मुजफ्फरनगर पहुंचा और जिला चिकित्सालय में डॉक्टरों को दिखाया तो उन्होंने तुरन्त ऑपरेशन की सलाह दी। भोला कांवड़िया ने इस पर कहा कि ऑपरेशन कराने के कितने पैसे लगेंगे तो विकास मेहरा के मुताबिक डॉक्टरों की 25-30 हजार की मांग थी, इस पर भोला कावंड़िया सीएमओ से भी मिला तो सीएमओ ने जवाब दिया कि हम तुम्हारी समस्या का समधान करा देंगे मगर किसी प्रकार की समस्या का समाधान गुरूवार सुबह तक न होने पर कांवड़िया यह कहकर चला गया कि जब 25-30 हजार ही देकर ऑपरेशन कराना है तो फिर सरकारी अस्पतालों का लाभ ही क्या है? प्राइवेट रूप से ऑपरेशन कराकर वहीं पैसे दे देंगे। आपको बता दें कि आए दिन जिला चिकित्सालय में अलग-अलग डॉक्टरों पर और कर्मचारियों पर पैसा लेने के आरोप लगते हैं मगर इक्का-दुक्का लोगों पर कार्रवाई के अलावा कुछ नहीं हो पाया। इस शासन में भ्रष्टाचार का जितना बोलबाला है वह बताने की आवश्यकता नहीं है, मगर बड़ी बात यह है कि अपने को ईमानदार बताने वाला शासन आखिर सार्वजनिक रूप से भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद तमाशा क्यों देखता रहता है? इसी से साफ जाहिर होता है कि कहीं न कहीं नेताओं की मिलीभगत से ही भ्रष्टाचार की जड़ें और मजबूत हो रही हैं।

कोहरे में कार ट्रक में घुसी, पति-पत्नी,साल की मौत

लखीमपुरीखुरी, 05 फरवरी (एजेंसी)। लखीमपुर खीरी में गुरुवार की सुबह 7 बजे एनएच-730 पर घने कोहरे तेज रफ्तार कार सड़क पर खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि बहराइच निवासी पति-पत्नी और साले की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दंपति की 2 साल की मासूम बच्ची गंभीर घायल है। घटना गोला कोतवाली क्षेत्र के जलालपुर गांव के पास हुई। जानकारी के मुताबिक बहराइच के थाना रामगांव क्षेत्र के गांव धाम कुंडा निवासी 28 वर्षीय सुनील सिंह अपनी पत्नी 26 वर्षीय सुधा, दो साल की बेटी और साले मुकेश सिंह के साथ दिल्ली से बहराइच लौट रहे थे। सुनील सिंह दिल्ली के राजौरी गार्डन इलाके में रहकर डेकोरेशन का काम करते थे। गुरुवार को उनकी ससुराल में तिलक समारोह होना था, जिसमें शामिल होने के लिए पूरा परिवार कार से निकला था। कार की ड्राइविंग साला मुकेश सिंह कर रहा था। सुबह जब कार गोला कोतवाली क्षेत्र में पहुंची, तभी अचानक घना कोहरा छा गया। दृश्यता बेहद कम हो गई और इसी दौरान वैगन-आर कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी।

पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त, महिला सिपाही सहित तीन पुलिसकर्मी घायल, 4 अज्ञात, 7 नामजद

***मुजफ्फरनगर।** इस हमले में दारोगा अनुराग सिंह, महिला सिपाही प्राची और सिपाही अनिल घायल हो गए। पुलिस वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हमले की सूचना मिलते ही ज्वालापुर पुलिस मौके पर पहुँची और उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ मिलकर घेराबंदी की। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ईशान पुत्र संजय, शिवम मलिक पुत्र अनुज और अमन पुत्र गजेंद्र को मौके से गिरफ्तार कर लिया। वहीं, अनिरुद्ध, कुणाल त्यागी, अनुज मलिक सहित अन्य चार अज्ञात आरोपित फरार हो गए। ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि संजय (आरोपित जिसे पुलिस पकड़ने गई थी), ईशान, शिवम मलिक, अमन, अनिरुद्ध, कुणाल त्यागी और अनुज मलिक समेत चार अज्ञात आरोपितों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।*

साइबर क्राइम के मामले में दरोगा ने पीड़ित को दी जेल भेजने की धमकी, वसूले 11 लाख रुपये, सस्पेंड

मुजफ्फरनगर, 05 फरवरी (बु.)। प्लास्टिक दाना बनाने की फैक्टरी संचालक नदीम के खाते में अचानक 95 लाख रुपये आ गए और कुछ ही देर में कई खातों में ट्रांसफर हो गए। दरोगा गौरव चौधरी ने जांच के नाम पर नदीम को ही फंसाने की धमकी दी। दरोगा गौरव चौधरी को जांच के बाद सस्पेंड कर दिया गया है। सिविल लाइन थाने में तैनात दरोगा गौरव चौधरी ने साइबर ठगी के मामले से जुड़ी एक शिकायत में पीड़ित से ही 11 लाख रुपये वसूल लिए। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने भ्रष्टाचार के आरोप में दरोगा को निलंबित कर दिया। उन्होंने एसपी क्राइम इंदु सिद्धार्थ से मामले की जांच कराने के बाद कार्रवाई की। मदीना कॉलोनी बझेड़ी रोड पर प्लास्टिक दाना बनाने की फैक्ट्री चलाने वाले मदीना कॉलोनी निवासी नदीम ने एसएसपी से शिकायत कर कहा था कि उसकी फैक्ट्री का खाता उसका अकाउंटेंट लद्धावाला निवासी फराज देखता था। 13 अक्तूबर 2025 को उसके खाते में दो बार में 95 लाख रुपये जमा हुए। यह रुपये कुछ ही देर में विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर लिए गए थे। शक होने पर उन्होंने बैंक में जाकर खाता व अपना मोबाइल नंबर बंद करा दिया। सिविल लाइन थाने पहुंचकर प्रार्थना-पत्र देकर उसे रिसीव करने को कहा। अगले दिन थाने पहुंचने पर थाना प्रभारी से वार्ता हुई, तो उन्होंने अपने पास मौजूद दरोगा गौरव चौधरी को इस मामले को देखने को कहा। दरोगा ने उनकी शिकायती लेने से इन्कार करते हुए उल्टा उन्हें ही जेल भेजने की धमकी दी। बाद में कॉल कर उन्हें बुलाकर जांच करने के नाम पर उनका मोबाइल व लैपटॉप ले लिया। कहा गया कि केरल व कर्नाटक में धोखाधड़ी हुई है। उसे मामला खत्म करने की बात कहते हुए दस लाख रुपये की मांग की। छह लाख रुपये दे दिए गए, तब मोबाइल व लेपटॉप लौटा दिया। 15 दिन बाद पांच लाख रुपये लिए गए। एसएसपी ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद दरोगा को भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित किया गया है।

भाभी से शादी करेगा यूपी पुलिस का सिपाही, तीन बच्चों को भी अपनाएगा

पुरकाजी, 05 फरवरी (बु.)। पुरकाजी में प्रॉपर्टी डीलर की हत्या के बाद यूपी पुलिस में प्रशिक्षण ले रहे सिपाही ने भाभी से विवाह करने और तीन बच्चों की परवरिश का फैसला किया है। पुरकाजी में प्रॉपर्टी डीलर संजीव उर्फ जीवन की हत्या के बाद उसके छोटे भाई मीनू, जो उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल की ट्रेनिंग ले रहे हैं, ने भाभी सोनिया से विवाह करने का निर्णय लिया है। साथ ही तीनों मासूम बच्चों को अपनाने की जिम्मेदारी भी ली है। बुधवार को मृतक का तीजा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसी दौरान परिजनों और समाज के लोगों की मौजूदगी में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। परिजनों का कहना है कि बच्चों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए यह कदम जरूरी था। बताया गया कि पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव हरीनगर निवासी संजीव की हत्या 2 फरवरी को उसकी पत्नी सोनिया ने अपने प्रेमी सादिक के साथ मिलकर की थी। इस वारदात से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। अब यूपी पुलिस का सिपाही मीनू बच्चों की परवरिश करेगा और परिवार को फिर से संभालने की जिम्मेदारी उठाएगा।

बेरहम मां ने नवजात बच्ची को कुरड़ी पर फेंका

कैराना, 5 फरवरी (बु.)। बेरहम मां ने किन्हीं कारणों के चलते नवजात बच्ची को कपड़े में लपेटकर कुरड़ी पर फेंक दिया। ग्रामीणों द्वारा सूचना देने पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा नवजात बच्ची को चाइल्ड लाइन की सपुर्दगी में दे दिया। चाइल्ड लाइन ने बच्ची को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। बुधवार देर शाम गांव मलकपुर में गांव के पास कुरड़ी के ऊपर कपड़े में लिपटी एक नवजात बच्ची पड़ी थी। ग्रामीणों ने कपड़ा खोलकर देखा, तो उसमें नवजात बच्ची मिलने पर ग्रामीण हकदम रह गए। सूचना पर हलका इंचार्ज उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार त्यागी मौके पर पहुंचे। इस दौरान एक दो ग्रामीणों ने यह भी कहा कि वह बच्ची अपने पास रख लेंगे। पुलिस द्वारा सूचना देने पर चाइल्ड लाइन की टीम भी मौके पर पहुंची। नवजात बच्ची को पहले नगर में स्थित एक प्राइवेट डॉक्टर के पास दिखाया गया, जहां डॉक्टर ने बच्ची को स्वस्थ बताया। बाद में चाइल्ड लाइन की टीम नवजात बच्ची को जिला चिकित्सालय शामली में भर्ती करने के लिए अपने साथ ले गई। नवजात बच्ची मिलने की वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। कोतवाली पुलिस ने बताया कि मलकपुर में नवजात बच्ची मिली थी। नवजात बच्ची को चाइल्ड लाइन के हवाले कर दिया है। चाइल्ड लाइन नवजात बच्ची का उपचार करा रही है।

पूर्व प्रमुख की एसडीएम संग वार्ता रही विफल

- कहा: शुक्रवार से गांव दर गांव करेंगे जनसंपर्क

बुढ़ाना, 05 फरवरी (बु.)। तहसील बुढ़ाना परिसर में आगामी 12 फरवरी की महापंचायत ना हो इसके लिए एसडीएम न्यायिक और बुढ़ाना ब्लॉक के पूर्व प्रमुख राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता विनोद मलिक के बीच लगभग 20 मिनट तक चली वार्ता विफल ही साबित हुई। इस वार्ता में बुढ़ाना एसडीएम श्रीकांत विश्वकर्मा ने तहसीलदार महेंद्र सिंह यादव को अपने कार्यालय मे बुलाया और उनको बैठाकर उनकी पूर्व प्रमुख विनोद मलिक से बातचीत कराई, तो तहसीलदार ने कोई ऐसी बात नहीं की, जिसमें मामला सुलटे, तब बाहर आकर पूर्व प्रमुख विनोद मलिक ने पत्रकारों को बताया कि हमारी एसडीएम से जो वार्ता थी, वो विफल हो गयी, क्योंकि तहसीलदार अभी भी एटीट्यूड में हैं। हम यही सोच रहे थे कि एसडीएम इस मामले का आज निपटारा कर देंगे और जो भी हमारे लोगों के जायज कार्य हैं, वे तहसीलदार अपने स्तर से 12 फरवरी से पहले-पहले ही निपटा देंगे, लेकिन तहसीलदार अभी भी अकड़ में बात कर रहे हैं। इसलिए अब हम 12 फरवरी को तहसील बुढ़ाना परिसर में होने वाली महापंचायत को बड़े स्तर पर बाबा बलजीत सिंह के नेतृत्व में करेंगे। शुक्रवार से ही गांव दर गांव जनसंपर्क शुरू कर दिया जाएगा। हम न्यायिक एसडीएम का व्यवहार देखकर महापंचायत नहीं करना चाहते थे, लेकिन तहसीलदार के आज के रवैये को देखकर ये फाइनल हो गया है कि अब हम 12 फरवरी को तहसीलदार को तहसील में बैठने नहीं देंगे।

गठवाला खाप के बाबा बलजीत सिंह बोले.....

तहसीलदार के विरुद्ध 12 फरवरी को बोलेंगे हल्ला

बुढ़ाना, 05 फरवरी (बु.)। डायमंड पब्लिक स्कूल फुगाना में बृहस्पतिवार को बुढ़ाना ब्लाक क्षेत्र के गठवाला खाप के सभी 12 गांवों के जिम्मेदार लोगों की एक बड़ी मीटिंग हुई, जिसमें मुख्य अतिथि गठवाला खाप के बाबा बलजीत सिंह मलिक रहे। यहां पर तहसील बुढ़ाना में फैले भ्रष्टाचार का मुद्दा जबरदस्त तरीके से छाया रहा, जिसमें सर्व सम्मति से यह तय हुआ कि 12 फरवरी को दोपहर 12 बजे बुढ़ाना तहसील परिसर का घेराव कर तहसीलदार कार्यालय पर कब्जा किया जाएगा और तहसीलदार को उनके कार्यालय में बैठने नहीं दिया जाएगा। यह पंचायत बुढ़ाना ब्लाक के पूर्व प्रमुख विनोद मलिक ने अपने संयोजन में की और कहा कि बुढ़ाना तहसील परिसर में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है, जिसको बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लेखपाल व कर्मचारी तहसीलदार का नाम लेकर भोले-भाले किसानों से रिश्वत लेकर उनके काम कर रहे हैं और जो उन्हें रिश्वत नहीं दे रहा उन्हें चक्कर कटाने का काम किया जा रहा है। हमारे पास लेखपालों की ऑडियो और वीडियोज हैं, जिसमें लेखपाल किसान से रिश्वत का पैसा लेकर अपनी जेब में रख रहे हैं। उनके भतीजे जितेंद्र ने जब तहसीलदार को गत दिनों अपने गांव के पीड़ित व्यक्ति का जायज काम बताया, तो बुढ़ाना के तहसीलदार ने उसे गुंडा बताया। पंचायत की अध्यक्षता करते हुए बाबा बलजीत सिंह ने कहा कि मैं यहां पर आप सभी को 19 फरवरी को हरियाणा के सोनीपत जिले के कस्बा गोहाना में होने वाले भव्य कार्यक्रम का निमंत्रण देने के लिए आया था, लेकिन अब यहां आकर पता लगा कि यहां का तहसीलदार हमारी खाप के लोगों को गुंडा बता रहा है। अब 19 फरवरी का प्रोग्राम तो हम बाद में करेंगे, पहले हम 12 फरवरी को बुढ़ाना तहसील परिसर को बंद करेंगे और तहसीलदार को हटाने की मांग करेंगे। इस दौरान यहां पर वीर नारायण मलिक, भोपाल सिंह, अंकित मलिक, विनोद कुमार, जगपाल मलिक, चरण सिंह मलिक, गुड्डू लोई, विजय पाल मलिक, मोनू मलिक, अतर सिंह मलिक, पहलवान डॉ. देवेन्द्र सिंह मलिक, डॉ. मनोज मलिक, रामा मलिक, धर्मवीर सिंह मलिक, धर्मपाल मलिक, प्रशांत मलिक, अरविन्द सिंह मलिक, पुष्पेन्द्र मलिक, अशोक मलिक, विकास कुमार मलिक, निशांत सिंह मलिक, गोपी सिंह, सुभाष मलिक व रविंद्र मलिक आदि हजारों ग्रामीण मौजूद रहे।

अजीत पवार की अस्थियों का हरिद्वार में विसर्जन

हरिद्वार 05 फरवरी (वार्ता) दिवंगत राष्ट्रवादी नेता अजित पवार की अस्थियों का गुरुवार को धर्मनगरी हरिद्वार में पवित्र गंगा तट पर विधि-विधान से विसर्जन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज शर्मा विशेष रूप से हरिद्वार पहुँचे और वीआईपी घाट पर धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ अस्थि विसर्जन संपन्न कराया। गंगा तट पर वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच श्री पवार की अस्थियों को प्रवाहित किया गया। अस्थि विसर्जन की पूरी प्रक्रिया उनके पारिवारिक पुरोहित अभिषेक झा द्वारा संपन्न कराई गई। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे। अस्थि विसर्जन के पश्चात राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस की ओर से राष्ट्रव्यापी अस्थि कलश यात्रा का औपचारिक शुभारंभ किया गया। श्री शर्मा ने बताया कि यह यात्रा हरिद्वार से प्रारंभ होकर देश की प्रमुख पवित्र नदियों तक जाएगी, ताकि श्री पवार की विचारधारा से जुड़े कार्यकर्ताओं और समर्थकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर मिल सके। उन्होंने बताया कि यह यात्रा उत्तर प्रदेश की काशी, मध्य प्रदेश की नर्मदा, गुजरात की साबरमती, जम्मू-कश्मीर की चेनाब नदी तक पहुँचेगी। इसके बाद यात्रा दक्षिण भारत के रामेश्वरम और कन्याकुमारी तक जाएगी, जहाँ विभिन्न पवित्र नदियों में अस्थि विसर्जन किया जाएगा।

बुढ़ाना पुलिस ने चोरी का किया खुलासा.....

- कोल्ड ड्रिंक की 2 पेटियां, 1 हजार रुपये किए बरामद

बुढ़ाना, 05 फरवरी (बु.)। स्थानीय पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का कुछ माल बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र में बीती दो फरवरी की रात के समय घर में घुसकर अज्ञात चोर ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था। कुछ दिन पहले गढ़ी सखावतपुर पुलिस चौकी के पास भी एक दुकान में भी चोरी की घटना हुई थी। बुढ़ाना पुलिस ने दोनों घटनाओं का मौका मुआयना कर अज्ञात चोर के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया था। पुलिस चोर की तलाश में लग गयी थी। आज सीओ बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह के निर्देश पर गढ़ी सखावतपुर पुलिस चौकी के प्रभारी ललित कुमार कसाना ने उप निरीक्षक शिव सिंह नागर, हैड कांस्टेबल मनोज कुमार और कांस्टेबल केतन सिंह की मदद से मुखबिर की सूचना पर एक संदिग्ध युवक को गढ़ी से जौला को जाने वाले रास्ते पर चकरोड के पास से रोककर उसकी तलाशी ली तो उसकी जेब से पुलिस ने एक हजार रुपये की नगदी और उसकी निशानदेही पर ईख के खेत से चोरी की गयी कोल्ड ड्रिंक की दो पेटियां बरामद की। सूत्रों के अनुसार उक्त युवक आज इन पेटियों को किसी दुकानदार को बेचने के लिए आया था और बाकी सामान बेचकर उसने उन पैसों से मौज मस्ती की। युवक ने अपना नाम नदीम पुत्र मुनसैद निवासी ग्राम जौला बताया है।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस : पांच आरोपियों को 11 फरवरी तक पुलिस कस्टडी

मुंबई, 5 फरवरी (एजेंसी)। फिल्म निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने बड़ी सफलता हासिल की है। कोर्ट ने गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों को 11 फरवरी तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। इनमें स्वप्निल बंडू सकट, सिद्धार्थ दीपक येनपुरे, समर्थ शिवशरण पोमाजी, आदित्य ज्ञानेश्वर गायकी और आशाराम फासले शामिल हैं। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि आरोपी स्वप्निल के घर से एक पिस्टल, एक एयर गन और तीन मैगजीन बरामद हुई हैं। वहीं, गिरफ्तार पांचवें आरोपी आशाराम फासले के पास तीन पिस्टल मिली हैं। जांच में पता चला है कि आरोपियों ने अपने फोन से सिग्नल ऐप डिलीट कर दिया था। पुलिस को चैट रिकवर करने और अन्य सबूत जुटाने के लिए लंबी कस्टडी की जरूरत है। क्राइम ब्रांच ने मुख्य आरोपी शुभम लोनकर को अभी भी फरार बताया है। पुलिस की टीम उसकी तलाश में जुटी हुई है। बचाव पक्ष के वकीलों ने दावा किया कि आरोपी सिद्धार्थ, समर्थ और आदित्य का काम सिर्फ गाड़ी उपलब्ध कराना था। वकील ने कहा, ह्लगाड़ी सौंपने के बाद क्या हुआ, हमें नहीं पता। चार दिन की पुलिस कस्टडी काफी है।ह्व पुलिस ने इसका जवाब दिया कि आरोपियों के फोन पहले से उनके कब्जे में हैं, लेकिन चैट और डिजिटल सबूतों की गहन जांच के लिए और समय चाहिए। पुलिस का कहना है कि बिना कस्टडी के महत्वपूर्ण जानकारी मिलना मुश्किल होगा। रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित घर के बाहर देर रात फायरिंग की गई। घटना के बाद रोहित शेट्टी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

लाखों रुपये की कीमत के जेवर पर्स से हुए चोरी

बुढ़ाना, 05 फरवरी (बु.)। ब्यूटी पार्लर से फेशियल कराते समय एक महिला का पर्स चोरी हो गया, जिसमें लाखों रुपये की कीमत के जेवरात बताए गये हैं। भौरांकलां पुलिस ने अज्ञात में मामला दर्ज करते हुए पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार रेखा पत्नी विनोद कुमार निवासी गांव करौदा महाजन ने बीते दिन भौराकलां पुलिस को एक तहरीर देते हुए बतलाया कि बीती 03 फरवरी को वह सपना ब्यूटी पार्लर सिसौली में पार्लर कराने के लिए गयी थी, लेकिन वहां से किसी अज्ञात के द्वारा उसके पर्स में रखे हुए छोटे पर्स को चोरी कर लिया गया, जिसमें एक सोने का गले का सेट, दो सोने की चैन और एक चैन में सोने का ऊँ का लाकेट था। लगभग एक लाख रुपये से भी अधिक के जेवरात थे। महिला ने भौरांकलां पुलिस से अज्ञात चोर के विरुद्ध कार्यवाही की गुहार लगाई है। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

सर्राफा बाजार

मुजफ्फरनगर, 05 जनवरी, (बु.)। मुजफ्फरनगर सर्राफा बाजार के भाव इस प्रकार रहेः-

सोना-	161000	चांदी-	266000
सिक्का-	2660	गिन्नी-	119175

आपका आज का राशिफल

शुक्रवार, 06 फरवरी, 2025

मेष- ग्रहयोग बेहतर, आूथक उन्नति का मार्ग प्रशस्त, मित्रों-परिजनों के माध्यम से बकाए धन की प्राप्ति, मंगल आयोजन सम्पादित परिवार में उल्लास का वातावरण।
वृषभ- दिनचर्या व्यवस्थित, आपसी गलतफहमी दूर, वैवाहिक अड़चनें समाप्त, कार्य क्षमता में वृद्धि, व्यावसायिक सफलता का मार्ग प्रशस्त, परिवर्तन का कार्यक्रम।
मिथुन- वैचारिक अस्थिरता, स्वयं की प्रतिभा का उपयोग करने से वंचित, दूसरों की सलाह अमान्य, दाम्पत्य जीवन असंतोषजनक, सुख-सुविधा का अभाव।
कर्क- लाभ का सुअवसर, आपसी सम्बन्धों में मधुरता, आपके स्तर को बनाये रखने के लिए व्यय, मनो-विनोद के साधन सुलभ, उत्तरदायित्व की पूर्ति का प्रयास।
सिंह- कार्यसिद्धि का प्रयास सार्थक, कठिनाइयों का समापन, पठन-पाठन में अभिरुचि, परिवार में सुख-शांति का मार्ग प्रशस्त, किसी नवीन योजना की शुरूआत।
कन्या- नव उत्तरदायित्व की पूर्ति, आर्थिक पक्ष से सफलता, शत्रु परास्त, दर्शनीय स्थलों की यात्रा का प्रसंग, सुख के साधन उपलब्ध, आत्मिक शांति की अनुभूति, यात्रा भी।
तुला- आत्मविश्वास में कमी, व्यावसायिक असफलता, परिवार आपसी कलह, स्वजनों से अनबन, धन की क्षति, उत्तरदायित्व की पूर्ति में अड़चने, यात्रा में परेशानी सम्भव।
वृश्चिक- दिन बेहतर, उलझनों में कमी, नौकरी में पदोन्नति, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ, धन संचय की ओर प्रवृत्ति, मान-सम्मान में वृद्धि, नवसम्पर्क लाभ, खुशी।
धनु- निराशा का समापन, प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता, सुख के साधन सुलभ, धार्मिक गतिविधियों की ओर अभिरुचि, दूसरों के आश्वासनों से राहत, नव समाचार की प्राप्ति।
मकर- अभीष्ट कार्यों में सफलता का सुयोग, पारिवारिक हर्षोल्लास का वातावरण, सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि, इच्छा शक्ति जागृत, विवाद का समापन, खुशी भी।
कुम्भ- प्रियजनों-मित्रों से अनबन, वैवाहिक जीवन में आपसी मतभेद, व्यक्तिगत समस्याएं, ताल-मेल का अभाव, सुख के साधन में कमी, पठन-पाठन में अरुचि।
मीन- व्यापारिक वातावरण मनोनुकूल, परिजनों से अपेक्षित सहयोग, आपसी सौहार्द, कर्ज की निवृत्ति का प्रयास, स्वयं का निर्णय लाभप्रद, शत्रु परास्त, प्रसन्नता भी।

विमल जैन, हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न परामर्शदाता, फलित अंक व ज्योतिषी एवं वास्तुविद्, एस-2/1-76,ए, वर्धन भवन, द्वितीय तल, आकांक्षा हॉस्पिटल के पास, टैगोर टाऊन एक्सटेंशन (महावीर मंदिर टू यू.पी. कालिज रोड) भोजूबीर, वाराणसी-221002 मोबाइल 9335414722

आदर्श कॉलोनी में युवक को जमीन पर डाल हाथ-पैर बांधे, वीडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

मुजफ्फरनगर, 05 फरवरी (बु.)। नगर से एक हैरान कर देने वाला वीडियो सामने आया है, जिसने पूरी आदर्श कॉलोनी में हड़कंप मचा दिया। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक युवक सड़क पर बेबस पड़ा है और उसके हाथ-पैर रस्सियों से बेरहमी से बंधे हुए हैं। आसपास लोगों की भीड़ जमा है, लेकिन कोई उसे खोल नहीं रहा। जैसे ही यह वीडियो इंटरनेट पर फैला, लोगों ने तरह-तरह के कयास लगाने शुरू कर दिए। कोई इसे आपसी रंजिश बता रहा था, तो कोई इसे तालिबानी सजा से जोड़कर देख रहा था। घटना थाना नई मंडी क्षेत्र की आदर्श कॉलोनी की है। चश्मदीदों के मुताबिक, सरेराह इस तरह का मंजर देख हर कोई सहम गया था। युवक को इस तरह बांधकर ले जाने की कोशिश की जा रही थी जैसे उसने कोई बड़ा अपराध कर दिया हो। देखते ही देखते खबर पुलिस के गलियारों तक पहुँच गई और गांधी कॉलोनी चौकी प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर दौड़ पड़े। मामला संवेदनशील था, इसलिए पुलिस ने तुरंत जांच की कमान संभाली। मौके पर पहुँची पुलिस टीम ने जब जांच की, तो पता चला कि युवक को किसी बाहरी दुश्मन ने नहीं, बल्कि उसके अपने ही परिजनों ने बांधा था। इसके पीछे की जो कहानी सामने आई, वह और भी चौंकाने वाली थी। बताया गया कि युवक की हालत ऐसी हो गई थी कि उसे संभाल पाना नामुमकिन था। वह न केवल खुद को चोट पहुँचा रहा था, बल्कि आसपास के लोगों के लिए भी खतरा बन गया था। पुलिस ने परिजनों और स्थानीय लोगों के बयान दर्ज किए ताकि इस अजीबोगरीब घटना की तह तक पहुँचा जा सके। पूरे मामले पर भ्रम की स्थिति को खत्म करते हुए सीओ नई मंडी, राजू कुमार साव ने आधिकारिक बयान जारी किया है। सीओ ने बताया कि, "जांच में सामने आया है कि युवक ने अत्यधिक शराब का सेवन कर लिया था, जिसकी वजह से वह पूरी तरह अपना मानसिक संतुलन खो चुका था। वह न तो खड़ा हो पा रहा था और न ही चल पा रहा था। नशे में धुत युवक लगातार वहां से गुजरने वाले अनजान लोगों को गालियां दे रहा था और हिंसक हो रहा था। ऐसी स्थिति में वहां पहुँचे परिजनों ने युवक की सुरक्षा और उसे काबू करने के लिए मजबूरी में उसके हाथ-पैर बांधे और उसे अपने साथ घर ले गए। युवक के साथ कोई मारपीट या अपराध नहीं हुआ है।" गांधी कॉलोनी चौकी प्रभारी ने मौके पर पहुँचकर परिजनों को भविष्य में इस तरह के व्यवहार के बजाय चिकित्सकीय सहायता लेने की हिदायत दी है।

संसद में पीएम मोदी पर हमले की साजिश! सांसद मनोज तिवारी ने किया दावा

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसी)। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सदन में भाषण देने से कुछ मिनट पहले ही लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। ऐसा विपक्षी सांसदों के शोर-शराबे के बाद हुआ, जो ट्रेजरी बेंच के पास टकराव में बदल गया और दोनों तरफ से तीखे आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। सांसद मनोज तिवारी ने दावा किया कि विपक्ष की कई महिला सांसद सदन के वेल में आ गईं प्रधानमंत्री की कुर्सी की ओर बढ़ीं और सीनियर मंत्रियों की अपनी सीटों पर जाने की बार-बार की अपील को नजरअंदाज कर दिया। तिवारी के मुताबिक हालात काबू से बाहर होने की वजह से प्रधानमंत्री सदन में नहीं आ सके। तिवारी ने आरोप लगाया कि जहां प्रधानमंत्री बैठते हैं वे उस जगह पर चढ़ गए। उन्होंने बहुत हंगामा किया। उन्होंने आगे दावा किया कि विपक्षी सांसद गुस्से वाली बॉडी लैंग्वेज के साथ आए, जिससे गंभीर सुरक्षा चिंताएं पैदा हुईं और आरोप लगाया कि वे प्रधानमंत्री पर हमला भी कर सकते थे। वहीं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि विपक्षी दल कल प्रधानमंत्री मोदी पर फिजिकली हमला करने की योजना बना रहे थे जो संसदीय इतिहास में कभी नहीं हुआ है.ह्व हंगामे के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सदन में मौजूद नहीं थे।

50 वर्ष के हुए अभिषेक बच्चन

मुंबई, 05 फरवरी (वार्ता)। बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता अभिषेक बच्चन आज 50 वर्ष के हो गए हैं। 05 फरवरी, 1976 को मुंबई में जन्में अभिषेक को अभिनय की कला विरासत में मिली। उनके पिता अमिताभ बच्चन अभिनेता, जबकि मां जया भादुरी जानी-मानी अभिनेत्री हैं। अभिषेक बच्चन ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 2000 में प्रदर्शित जे.पी.दत्ता की फिल्म रिफ्यूजी से की। हालांकि यह फिल्म टिकट खिड़की पर कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी, लेकिन अभिषेक के अभिनय को अवश्य पसंद किया गया। इसके बाद अभिषेक ने तेरा जादू चल गया, ढ़ाई अक्षर प्रेम के, बस इतना सा ख्वाब है, हां मैने भी प्यार किया है, शरारत, मुंबई से आया मेरा दोस्त, मैं प्रेम की दीवानी हूं, ओम जय जगदीश, एलओसी कारगिल, कुछ न कहो जैसी फिल्मों में काम किया, लेकिन इनमें से कोई फिल्म टिकट खिड़की पर सफल नहीं रही। वर्ष 2003 में अभिषेक की फिल्म जमीन प्रदर्शित हुई। इस फिल्म में अभिषेक के अलावा अजय देवगन की भी मुख्य भूमिका थी। फिल्म को टिकट खिड़की पर औसत सफलता मिली। वर्ष 2004 में प्रदर्शित फिल्म 'युवा' अभिषेक के करियर की महत्वपूर्ण फिल्म साबित हुई। इस फिल्म में अभिषेक का किरदार ग्रे शेड्स लिए हुए थे, लेकिन वह दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने में सफल रहे। वर्ष 2004 में प्रदर्शित फिल्म धूम उनके करियर की पहली सुपरहिट फिल्म साबित हुई। इसके बाद अभिषेक ने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया, जिनमें उनके अभिनय को सराहा गया। वर्ष 2007 में अभिषेक बच्चन को मणिरत्नम की फिल्म गुरू में काम करने का अवसर मिला। माना जाता है कि यह फिल्मदिवंगत उद्योगपति धीरू भाई अंबानी के जीवन पर बनायी गयी थी।अभिषेक बच्चन ने अपने संजीदा अभिनय से दर्शको का दिल जीत लिया।इस फिल्म के लिये अभिषेक सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के फिल्मफेयर पुरस्कार के लिये नामांकित किये गये। इसी वर्ष अभिषेक बच्चन ने ऐश्वर्या राय से शादी कर ली

बाराबंकी में गर्दन दबोचकर युवक के माथे से तिलक मिटाया:घेरकर पिटाई की

- दरगाह में मुस्लिम महिला के साथ चादर चढ़ाने आया था

बाराबंकी, 05 फरवरी (एजेंसी)। बाराबंकी में देवा शरीफ दरगाह के पास एक युवक के माथे पर लगा तिलक धुल दिया गया। उसके साथ जमकर मारपीट भी की गई। मामला दरगाह के बाहर करीब 70 मीटर दूर का है। युवक अपने पड़ोस की मुस्लिम महिला के साथ चादर चढ़ाने के लिए दरगाह पर आया था। घटना गुरुवार की है, जिसका वीडियो आज सामने आया है। इसमें दिख रहा कि टोपी लगाए एक व्यक्ति पीड़ित को बांहों में जकड़कर झुकाता है। फिर दुकान पर ले जाता है। वहां, बोतल उठाकर उसके सिर पर पानी डालकर तिलक धुल देता है। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लिया है। बाराबंकी के दशहराबाद निवासी हरीश शर्मा अपनी पड़ोसी मुस्लिम महिला के साथ दरगाह पर

चादर चढ़ाने आए थे। हरीश के मुताबिक, जब महिला चादर चढ़ाने के लिए अंदर गई। तब वह बाहर चने खाते हुए दरगाह की ओर बढ़ रहे थे। तभी वहां मौजूद कुछ दुकानदारों में से एक ने उन्हें 'ओए पंडित' कहकर रोक लिया। फिर थप्पड़ मारने लगे। मुझे जबरन पकड़ने के बाद खींचते हुए सड़क किनारे दुकान पर ले जाया गया। फिर मेरे माथे पर लगा तिलक धुलवा दिया। मेरे साथ बहुत अभद्र व्यवहार किया गया और हाथापाई भी हुई। मैंने देवा कोतवाली में पुलिस को लिखित शिकायत दी है। मेरी मांग है कि आरोपियों की पहचान कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए, जिससे फिर किसी के साथ ऐसा न हो। रस्क धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बताया- घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज को जांच में शामिल किया गया है, जिससे पूरे सही स्थिति स्पष्ट हो सके। पीड़ित की शिकायत पर आरोपी पर मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं, देवा शरीफ कमेटी के मैनेजर हसन साद मोहम्मद से दैनिक भास्कर ने बात की। उन्होंने बताया कि यह घटना निंदनीय है। हम चाहते हैं कि आरोपी को कड़ी सजा मिले।

कांग्रेस सिर्फ सपने देखती है, उन्हें पूरा नहीं करती'

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसी)। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, इन दिनों एक वीडियो लोकप्रिय हुआ है। हर तरफ बर्फ छाई हुई है और वंदे भारत बीच से निकल रही है। तीन दशक से यही उधमपुर-श्रीनगर प्रोजेक्ट लटका हुआ था। हमारी सरकार ने इसे पूरा किया। कांग्रेस सिर्फ सपने देखती है, उन्हें पूरा नहीं करती। असम और अरुणाचल को जोड़ने वाला बोगी ब्रिज, हमने असम सहित पूरे पूर्वोत्तर को बहुत बड़ी सुविधा देने वाला यह काम पूरा किया। हमने दुनिया को कहा था कि 2030 तक हम सोलर का काम करेंगे और हमने 2025 में ही यह काम कर दिया। हम हर प्रोजेक्ट समय से पूरा कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, भाजपा हो, एनडीए हो हमारा अप्रोच, हमारी सोच और कांग्रेस की सोच के बीच जमीन-आसमान का अंतर है। हमारी सोच है कि 140 करोड़ देशवासी इतने सामर्थ्यवान हैं कि ये कुछ भी कर सकते हैं। लेकिन ये लोग- नेहरू जी और इंदिरा जी की सोच क्या थी। उन्होंने कहा, इंदिरा जी एक बार ईरान गईं, वे ईरान में भाषण दे रही थीं। उस भाषण में उन्होंने नेहरू जी के साथ बातचीत का उल्लेख किया। उन्होंने कहा था- जब किसी ने मेरे पिताजी से पूछा यानी नेहरू जी से पूछा कि उनके सामने कितनी समस्या है, तो उन्होंने कहा 35 करोड़। उस समय हमारे देश की जनसंख्या थी 35 करोड़। 35 करोड़ देशवासी नेहरू जी को समस्या लगते थे। इस बात का उदाहरण देते हुए इंदिरा जी ने आगे कहा- आज देश की जनसंख्या 57 करोड़ है। इसलिए मेरे लिए समस्या भी इतनी ही है। उन्हें अब 57 करोड़ लोग समस्या लगने लगे थे।" उन्होंने कहा, नेहरू जी हों, इंदिरा जी हों या पूरी कांग्रेस बिरादरी हो, ये लोग देशवासियों को समस्या मानते थे। ऐसे लोग सिर्फ अपने परिवार का ही भला करेंगे। मैंने देश के सामने कहा है क्योंकि यह मेरा दृढ़ विश्वास है। चुनौतियां कितनी ही क्यों न हों, 140 करोड़ लोग हमारे साथ हैं। हमारे लिए हर देशवासी भारत का कर्ता-धर्ता है। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस ने बीते दिनों राष्ट्रपति जी का अपमान किया है, चुनाव के बाद जिस प्रकार से हमारी राष्ट्रपति जी के लिए शब्द कहे गए। शर्मिंदगी महसूस होती है कि यह कैसे लोग हैं। भारत की राष्ट्रपति जी के लिए क्या कह रहे हैं ये लोग। कल लोकसभा में भी राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर चर्चा नहीं हो पाई। ये राष्ट्रपति पद का घोर अपमान है। उन्हें संविधान शब्द बोलने का अधिकार नहीं है। गरीब-आदिवासी परिवार से आई महिला का जो अपमान किया है, आपने आदिवासी-महिला का अपमान किया है। आपने संविधान का अपमान किया है।

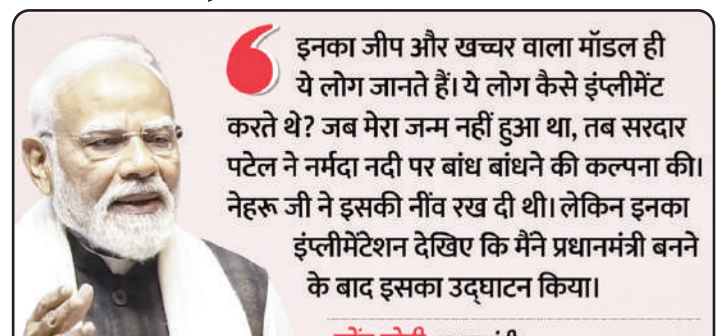

'एमएसएमई नेटवर्क पर बन रहा दुनिया का भरोसा'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज दुनिया भारत के उद्यमियों को समान भाव से देखती है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई का विशाल नेटवर्क जितना मजबूत होता है, वह देश की अर्थव्यवस्था को उतनी ही मजबूती से दिशा देता है। प्रधानमंत्री ने बताया कि आज भारत के एमएसएमई नेटवर्क पर पूरी दुनिया का भरोसा बन रहा है। उन्होंने कहा कि भले ही भारत हवाई जहाज नहीं बनाता, लेकिन उनके कई कल-पुर्जे देश के एमएसएमई तैयार कर रहे हैं। इन प्रयासों के नतीजे आज सबके सामने हैं। उन्होंने बताया कि कई बड़े देश भारत के साथ व्यापारिक संबंध बनाने के लिए उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि चाहे यूरोपीय संघ के साथ व्यापार सौदा हो या अमेरिका के साथ हुआ समझौता, पूरी दुनिया इन समझौतों की खुलकर तारीफ कर रही है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ के साथ हुए समझौते से विश्व को यह भरोसा मिला कि वैश्विक स्तर पर स्थिरता की संभावना बढ़ेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार सौदे से दुनिया को यह भरोसा हुआ कि स्थिरता के साथ-साथ अब गति भी आएगी। उन्होंने आगे कहा कि इन प्रयासों का सबसे बड़ा लाभ देश के युवाओं को मिलेगा। दुनिया में भारतीय युवा पेशेवरों और यहां तक कि देखभाल कर्मियों की मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कुछ देशों में तो लोगों की तलाश के लिए विशेष कार्यालय तक खोले जा रहे हैं। इसका मतलब है कि भारतीय पेशेवरों के लिए वैश्विक स्तर पर नए अवसर बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद का उच्च सदन राज्यों का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने जिस तरह की चर्चाओं की बारीकियां देखीं, उससे उन्हें लगा कि इसका स्तर और ऊंचा होना चाहिए था। विपक्ष ने इस मौके को भी गंवा दिया।

रूस-अमेरिका की न्यू स्टार्ट संधि खत्म, 50 साल बाद पहली बार परमाणु हथियारों पर कोई कानूनी पाबंदी नहीं

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसी)। रूस और अमेरिका के बीच रणनीतिक परमाणु हथियारों को सीमित करने वाली आखिरी बड़ी संधि न्यू स्टार्ट की अवधि आज यानी 5 फरवरी 2026 को समाप्त हो गई। इसके साथ ही करीब 50 साल बाद पहली बार दुनिया की दो सबसे बड़ी परमाणु शक्तियों पर अपने रणनीतिक परमाणु हथियारों को लेकर कोई कानूनी बाध्यता या नियंत्रण नहीं बचा है। न्यू स्टार्ट के खत्म होने से अब अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों, पनडुब्बियों से लॉन्च होने वाली मिसाइलों और परमाणु बॉम्बरों पर तैनात हथियारों की संख्या को लेकर कोई तय सीमा नहीं रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे दुनिया में नई परमाणु हथियारों की होड़ शुरू होने का खतरा काफी बढ़ गया है। न्यू स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी परमाणु हथियारों की बढ़ती होड़ को रोकने के लिए वर्ष 2010 में किया गया एक ऐतिहासिक समझौता था। इस संधि पर तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और रूस के तत्कालीन राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद यह संधि 2011 में औपचारिक रूप से लागू हुई।

न्यू स्टार्ट का मुख्य उद्देश्य उन रणनीतिक परमाणु हथियारों की तैनाती को सीमित करना था, जो किसी देश के प्रमुख राजनीतिक, सैन्य और औद्योगिक ठिकानों को निशाना बनाने में सक्षम होते हैं। इनमें अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें, पनडुब्बियों से लॉन्च की जाने वाली मिसाइलें और परमाणु हथियार ले जाने वाले बॉम्बर शामिल थे। संधि के तहत केवल उन्हीं हथियारों को गिनती में शामिल किया जाता था, जो तैनात स्थिति में हों, यानी जो सक्रिय सेवा में हों और जरूरत पड़ने पर तुरंत इस्तेमाल किए जा सकें। परमाणु हथियारों पर रोक लगाने की कोशिशें शीत युद्ध के दौर से ही चलती आ रही हैं। वर्ष 1969 से अमेरिका और तत्कालीन सोवियत संघ (बाद में रूस) के बीच हथियार नियंत्रण को लेकर कई चरणों में बातचीत और समझौते हुए, जिनका मकसद परमाणु टकराव के खतरे को कम करना था। परमाणु हथियार नियंत्रण की दिशा में पहला बड़ा कदम के रूप में सामने आया। इन समझौतों के तहत हथियारों की संख्या पर सीमा तो लगाई गई, लेकिन वास्तविक कटौती नहीं की गई। इसका उद्देश्य हथियारों की बेलगाम बढ़ोतरी को रोकना था। शीत युद्ध के अंत के साथ को बड़ी सफलता माना गया। यह संधि अमेरिका के राष्ट्रपति जॉर्ज बुश सीनियर और सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव के कार्यकाल में हुई। इसके तहत हजारों रणनीतिक परमाणु हथियारों में कटौती की गई, जो हथियार नियंत्रण के इतिहास में पहली बड़ी कमी थी। इसके बाद रळअफळ क्क पर सहमति बनी, जिसका मकसद और गहरी कटौती करना था। हालांकि, यह संधि पूरी तरह लागू नहीं हो सकी, लेकिन इसने भविष्य के समझौतों की जमीन तैयार की। साल 2002 में अमेरिका के राष्ट्रपति जॉर्ज बुश जूनियर और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच रडफळ, जिसे मॉस्को संधि भी कहा जाता है, पर सहमति बनी।

इसके तहत दोनों देशों ने तैनात परमाणु वारहेड्स की संख्या 1,700 से 2,200 के बीच सीमित करने का फैसला किया। हालांकि, इस संधि में निरीक्षण और जांच-पड़ताल की व्यवस्था कमजोर मानी गई। न्यू स्टार्ट संधि की प्रभावशीलता को 2023 में ही बड़ा झटका लग चुका था, जब रूस ने इसमें अपनी भागीदारी निलंबित करने का ऐलान किया था। रूस ने उस समय संधि के तहत होने वाले निरीक्षण और आपसी जांच की प्रक्रिया को रोक दिया था। हालांकि, मॉस्को ने यह दावा जारी रखा कि वह संधि में तय की गई हथियारों की सीमाओं का पालन करता रहेगा। रूस ने इसके पीछे वजह बताई थी कि यूक्रेन युद्ध में अमेरिका की सक्रिय भूमिका और सैन्य मदद संधि की भावना के खिलाफ है।

महिला ने लगाया ससुरालियों पर गंभीर आरोप, पुलिस मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की उठाई मांग

मुजफ्फरनगर, 5 फरवरी (बु.)। थाना खालापार क्षेत्र के अंतर्गत मोहल्ला सुजड़ू के कुंगर पट्टी में दहेज लोभियों की बर्बरता का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक विवाहिता ने अपने ससुराल पक्ष पर लाखों रुपए नगद और कई गज के प्लॉट की मांग को लेकर शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न जैसे संगीन आरोप लगाते हुए महिला थाना में तहरीर दी है। पीड़िता शबनम परवीन पुत्री स्वर्गीय अब्दुल सलीम ने बताया कि उसका निकाह 5 दिसंबर 2023 को साहिल पुत्र रियाज (निवासी जहांगीर पट्टी, सुजड़ू) के साथ हुआ था। शादी में मायके पक्ष ने अपनी हैसियत से बढ़कर लाखों रुपये खर्च किए थे, जिसमें लाखों रुपए नगद भी दिए गए थे। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति साहिल, ससुर रियाज, सास शहजान और अन्य ससुरालियों ने अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू कर दी। पीड़िता का आरोप है कि करीब 6 माह पहले दहेज की मांग पूरी न होने पर सास और ननद ने जहर देकर मारने की कोशिश भी की थी। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि जेठ और देवर भी उस पर बुरी नजर रखते थे। तहरीर के अनुसार, ससुराल पक्ष ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया था। जब पीड़िता अपने मायके में थी, तब पति साहिल, ससुर रियाज और अन्य परिजनों ने वहां पहुंचकर हमला कर दिया। आरोप है कि आरोपियों ने पीड़िता का गला घोंटकर उसे जान से मारने की कोशिश की और धारदार हथियारों व लोहे की रॉड से मारपीट की। शोर मचने पर मोहल्ले के लोगों ने बीच-बचाव किया, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल पीड़िता ने महिला थाना प्रभारी से मेडिकल परीक्षण कराने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। फिलहाल पुलिस मिली तहरीर के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है।

संस्थापक सम्पादक एवं हमारे प्रेरणास्रोत स्व. उत्तमचन्द्र शर्मा

मुजफ्फरनगर बुलेटिन

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमति पूजा दुआ ने 'मुजफ्फरनगर बुलेटिन' प्रात:कालीन दैनिक 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर को 'दैनिक बुलेटिन प्रेस' 223-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से मुद्रित कराकर 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक-अंकुर दुआ
(प्रकाशक)-98370-42840, 94127-10840
(विज्ञापन)-9368549219 (नि.) 7983359929
सम्पादक-9412210257
E-mail : muzaffarnagar_bulletin@yahoo.co.in
muzaffarnagar_bulletin@rediffmail.com

1973-2026

सम्पादक की क़लम से

बदलते वर्ल्ड ऑर्डर का झुकाव भारत की तरफ

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का उत्तर दिया। प्रधानमन्त्री मोदी ने कहा कि दुनिया का वर्ल्ड ऑर्डर बदल रहा है और झुकाव भारत की तरफ है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया संभल नहीं पा रही है। ऐसे में साफ-साफ नजर आ रहा है कि दुनिया एक नए वर्ल्ड ऑर्डर की ओर बढ़ रही है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद जो वर्ल्ड ऑर्डर बना, वह अब बदल रहा है। सारी घटनाओं का गैर राजनीतिक और निष्पक्ष भाव से विश्लेषण करें, तो झुकाव भारत की तरफ है। विश्वमित्र और विश्वबंधु के रूप में आज भारत अनेक देशों का विश्वस्त साझेदार बना है। हम कंधे से कंधा मिलाकर विश्व कल्याण में उचित भूमिका निभा रहे हैं। आज पूरा विश्व ग्लोबल साउथ की चर्चा करता है, लेकिन उस चर्चा के सूत्रधार के रूप में आज भारत वैश्विक मंचों पर ग्लोबल साउथ की बुलंद आवाज बन गया है। उन्होंने हाल में हुई ट्रेड डील्स पर कहा कि अनेक देशों के साथ भारत फ़्यूचर रेडी ट्रेड डील्स कर रहा है। पिछले कुछ ही समय में हमारी 9 बड़ी ट्रेड डील्स हुई हैं। इसमें मदर ऑफ ऑल डील्स भी है, जो एक साथ 27 यूरोपीय देशों के साथ हुई है। पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग थक गए थे यहां से चले गए, उन्हें कभी न कभी तो जवाब देना पड़ेगा कि देश की हालत कैसी थी कि दुनिया का कोई देश हमसे डील करने नहीं आता था। आपने कोशिश की होगी, पीछे-पीछे चक्कर लगाए होंगे, लेकिन किसी ने आपकी तरफ देखा तक नहीं। इससे पहले बुधवार को संसद में बहुत बुरा हंगामा हुआ। हंगामा तो कई दिनों से हो रहा है, लेकिन बुधवार को बहुत बुरा हंगामा हुआ। सांसद नारेबाजी करते हुए प्रधानमन्त्री व अन्य मंत्रियों की कुर्सियों तक आ गए थे, लोकसभा की कार्यवाही स्थगित करने की घोषणा करते समय स्पीकर ओम बिरला ने बताया कि उनके आग्रह पर प्रधानमन्त्री मोदी लोकसभा में उपस्थित नहीं हुए। उन्होंने कहा कि प्रतिपक्ष के सदस्यों ने जो व्यवहार अध्यक्ष के कार्यालय में किया, वह हमारी संसदीय परंपराओं के लिए अनुचित था। मैं कहूंगा कि वह एक ब्लैक स्पॉट की तरह था। मेरे पास ऐसी पुख्ता जानकारी आई कि कांग्रेस पार्टी के कई सदस्य प्रधानमन्त्री के आसन पर पहुंचकर कोई भी अप्रत्याशित घटना कर सकते थे। अगर यह घटना हो जाती, तो यह अत्यंत अप्रिय होता, जो देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को तार-तार कर देती। ओम बिरला ने कहा कि इसको टालने के लिए मैंने प्रधानमन्त्री से आग्रह किया कि उन्हें सदन में नहीं आना चाहिए। सदन के नेता ने सदन में उपस्थित न होकर, मेरे आग्रह को मानकर सदन को अप्रिय दृश्य से बचाया। मैं प्रधानमन्त्री का इसके लिए आभार व्यक्त करता हूं। हंगामा इतना बुरा था कि लोकसभा स्पीकर को यह सब कहना पड़ा। इसके जवाब में प्रियंका गांधी ने कहा कि यह पूरी तरह झूठ है, पीएम को चोट पहुंचाने का सवाल ही नहीं था। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रधानमन्त्री अब स्पीकर के पीछे छिप रहे हैं, उनमें कल सदन में आने की हिम्मत नहीं हुई। प्रियंका के इस वक्तव्य की भी निन्दा की जा रही है। संसद में इस हंगामे के पीछे गहरी साजिश की आशंकाएं भी व्यक्त की जा रही हैं। भारत की बढ़ती साख से कुछ लोग कुंठित हो रहे हैं और वे अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं और भारत विरोधियों के हाथ का खिलौना भी बन रहे हैं। ऐसे लोगों को पहचाना भी जा रहा है, उनका बहिष्कार भी किया जा रहा है। कल प्रधानमन्त्री ने राज्यसभा में कांग्रेस पर जमकर प्रहार किए। प्रधानमन्त्री ने कहा कि नेहरू को 35 करोड़ भारतवासी समस्या लगते थे। पीएम ने कहा कि भाजपा हो, एनडीए हो, समस्या को हल करने के लिए हमारी और कांग्रेस की अप्रोच में जमीन-आसमान का अंतर है। देश के नौजवानों पर हमें भरोसा है। कांग्रेस देशवासियों को ही समस्या मानती है। किस प्रकार से ये लोग सोचते थे। देश के लोगों के बारे में नेहरू और इंदिरा जी की सोच क्या थी सुनिए, एक बार इंदिरा जी ईरान में भाषण दे रही थीं। उन्होंने नेहरू जी के साथ बातचीत का उल्लेख किया, जब किसी ने मेरे पिता जी से पूछा कि उनके सामने कितनी समस्याएं हैं, तो उन्होंने कहा 35 करोड़। उस समय हमारे देश की जनसंख्या 35 करोड़ थी। इंदिरा जी ने आगे कहा कि आज देश की जनसंख्या 57 करोड़ है। मेरी समस्याओं की संख्या भी इतनी ही बढ़ी है। कोई ऐसा हो सकता है कि अपने देश के लोगों को समस्या मानें। ये लोग भारत के लोगों को समस्या मानते हैं। प्रधानमन्त्री ने कहा कि मोहब्बत की दुकान में जो आग भरी पड़ी है, उसका परिणाम है इसलिए ये मोदी की कब्र खोदने का नारा लेकर चल रहे हैं। कांग्रेस के शाही परिवार को देश ने दशकों तक अवसर दिया देश ने अपना भविष्य दांव पर लगाया, लेकिन आपने परिवार के लिए देश को दांव पर लगाया। प्रधानमन्त्री ने कहा कि लाल किले से गरीबी हटाओ का नारा लगाया गया, लेकिन गरीबी हटाने के लिए क्या किया किसी ने नहीं बताया। मैं देश के गरीबों को सलाम करता हूं, उन्होंने हमारी नीतियों पर, नीयत पर भरोसा किया और अपने आप को खपाने में कोई कमी नहीं रखी। टीएमसी, कांग्रेस, लेफ्ट, डीएमके दशकों से केंद्र में सत्ता का हिस्सा रहे। उनकी पहचान क्या बनी, उनके वक्त डील के नाम पर बोफोर्स याद आता है। आज डील का नाम गौरव से लिया जाता है। उन्होंने कहा कि लालकिले से दिए कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों के भाषण का एनालिसिस कर लीजिए। इससे पता चल जाएगा कि उनके पास कोई विजन नहीं था। हमारी काफी ताकत उनकी गलतियों को सुधारने में लग रही है। उस दौर में दुनिया के मन में हमारी जो इमेज बनी थी, उसे मिटाने में बहुत मेहनत लगती है। आज देश नीति के आधार पर चल रहा है। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र पर चलते हुए हम आगे बढ़ चले हैं। सच्चाई यह है कि देश रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार होकर विश्व से प्रतिस्पर्धा करने को तैयार है। कांग्रेस की इम्प्लीमेंट नीति की मिसाल देना चाहता हूं। गुजरात के लिए जब नर्मदा डैम की योजना बनाई गई, तब मैं पैदा भी नहीं हुआ था। सरदार पटेल के निधन के बाद नेहरूजी ने इसकी शुरूआत कराई। कमाल की बात है कि जब मैं प्रधानमन्त्री बना, तब इसका उद्घाटन कराया। मैंने सीएम रहते हुए इस डैम के लिए 3 दिन तक अनशन किया। किसानों के लिए मैंने अपने आपको दांव पर लगा दिया था।

चार तीर

सुनील उत्सव

'सियासत' 'लानत' 'चादर' 'धब्बे'

सियासत की भट्टी कहानी है जिनकी, के बच्चे भी उनके उसी राह पर हैं।
सजा भी मिली जिनको लानत भी पायी, के बच्चे भी उनके उसी राह पर हैं।।
हैं जीवन की चादर पे धब्बे ही धब्बे, उन्हें नाज धब्बों पे यारो बहुत है,
न बुद्धि है उनमें,जबां भी है कड़वी,के बच्चे भी उनके उसी राह पर हैं।।

पालिका के डॉग शेल्टर होम बनाने की प्रक्रिया को लगे ब्रेक

- ईओ ने मीरापुर पंचायत घर का किया निरीक्षण, देखी व्यवस्था - ग्रामीणों ने कुत्तों शेल्टर होम बनाने का किया विरोध

मुजफ्फरनगर, 05 फरवरी (बु.)। सुप्रीम कोर्ट के जारी किए निर्देशों के बीच में पालिका शहर में अब आवारा कुत्तों के आतंक से निजात दिलाने के लिए समर्पित डॉग शेल्टर होम बनाने की तैयारी में जुटी है। इसके लिए पालिका चेयरपर्सन ने अधिकारियों को पूर्व में भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए थे, जहां आवारा कुत्तों को रखकर अब नसबंदी की जाएगी, ताकि लोगों को भविष्य में सुरक्षित माहौल भी मिल सके। गुरूवार को ईओ ने पालिका क्षेत्र में इसी कड़ी में शेल्टर होम बनाने के लिए मीरापुर ग्राम पंचायत स्थल का निरीक्षण किया, लेकिन ग्रामीणों के विरोध के चलते योजना अभी धरातल पर उतरती दिखाई नहीं दे रही, जिससे अधिकारियों की चिंता बढ़ गई है। जी हां, पालिका प्रशासन की पहल पर नगरवासियों को आवारा कुत्तों से निजात दिलाने की पहल परवान चढ़ने से पहले दम तोड़ती दिखाई दे रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बीच नगर पालिका आवारा कुत्तों के लिए डॉग शेल्टर होम बनाने जा रही है। चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप ने ईओ डॉ. प्रज्ञा सिंह को डॉग शेल्टर होम के निर्माण के लिए जरुरी भूमि का चयन करने के निर्देश दिए गए। जहां इन आवारा कुत्तों को पकड़ कर शेल्टर होम में रखा जा सके । वहीं आवारा कुत्तों की नसबंदी भी कराई जाएगी। शहरी क्षेत्र में आवारा कुत्तों को लेकर शुरू पहल नगरवासियों में राहत के रूप में कारगर साबित हो सकती है, लेकिन नगर पालिका क्षेत्र में शामिल हुई मीरापुर ग्राम पंचायत की उक्त भूमि को लेकर ग्रामीणों के विरोध के चलते पालिका टीम को वापस लौटना पड़ा। कहना गलत न होगा कि नगरीय क्षेत्र में आए दिन आवारा कुत्ते किसी न किसी को काट कर जख्मी कर रहे हैं। शहर के मौहल्ला ब्रह्मपुरी, साकेत, मल्हूपुरा, इंद्रा कॉलोनी, कच्ची सड़क, शाहबुद्दीनपुर रोड, मिमलाना रोड, आर्यपुरी, प्रेमपुरी, खालापार, किदवईनगर, बकरा मार्किट, रामलीला टिल्ला, रामपुरी, जनकपुरी, केवलपुरी, पटेलनगर, नई मंडी समेत अन्य क्षेत्रों में हाल में आवारा कुत्तों का आतंक बना हुआ है। ऐसे में रात्रि में नगर की सड़कों, गलियों तक से गुजरना खतरे से खाली नहीं है। आवारा कुत्तों का रात्रि में सड़कों पर पूरी तरह से कब्जा कायम रहता है। इन आवारा कुत्तों के कारण दो पहिया और चौपहिया वाहनों का गुजर पाना मुश्किल सा हो जाता है, जब वाहनों के पीछे आवारा कुत्ते हमला करने के लिए दौड़ते हैं।

इस संबंध में ईओ पालिका डॉ. प्रज्ञा सिंह ने बताया कि चेयरपर्सन के निर्देश पर आवारा कुत्तों को लेकर शहर से सटे मीरापुर ग्राम पंचायत घर को चिन्हित किया गया था, लेकिन यहां पर ग्रामीणों के विरोध के चलते स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नगर क्षेत्र में डॉग शेल्टर होम बनाया जाएगा। इसके लिए भूमि चिन्हित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

स्व. प्रेमवती देवी की 11वीं पुण्यतिथि पर चिकित्सा शिविर का आयोजन

मुजफ्फरनगर, 05 फरवरी (बु.)। मेरठ रोड स्थित संतोष हॉस्पिटल (सिंघल नर्सिंग होम) में गुरूवार को अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल के नेतृत्व में दिवंगत माताजी प्रेमवती देवी की स्मृति में निःशुल्क चिकित्सा परीक्षण व सेवा शिविर आयोजित किया गया। इसका लाभ जनपद के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने अपनी शारीरिक बीमारियों के संदर्भ में प्राप्त किया। शिविर का उद्देश्य दिवंगत माताजी स्वर्गीय प्रेमवती देवी के सेवामयी जीवन की दृढ़ता को रखते हुए उनके जाने के बाद उनकी सेवाओं को जनमानस के लिए बनाए रखना और इसी दृढ़ता को बनाए रखने के लिए शिविर आयोजित किया गया। इस निःशुल्क शिविर में नई दिल्ली के फॉर्टिस एस्कॉर्ट्स से पधारे डॉ. धनंजय, डॉ. लोकेश मिश्रा (कार्डियोलॉजिस्ट), डॉ. रविंद्र सिंह बिष्ट (ऑर्थो पेडिक्स), डॉ. शांतनु गौर (यूरोलॉजिस्ट), डॉ. शिवम पॉल, डॉ. सद्दाम हुसैन, डॉ. सुहेल और कृष्ण चंद कोऑर्डिनेटर आदि चिकित्सकों द्वारा इन रोगियों का शारीरिक परीक्षण किया गया। इस दौरान गुडविल सोसाइटी एवं अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के सहयोग से शिविर के प्रारंभ में माताजी स्व. प्रेमवती के समक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, प्रसून अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, शिव नारायण अग्रवाल, सुशीला अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, पुष्पेंद्र अग्रवाल, प्रभा अग्रवाल आदि परिवारजनों ने दीप प्रज्ज्वलित पुष्प एवं भाव प्रकट कर स्वर्गीय माताजी का स्मरण किया। इस शिविर के मुख्य अतिथि मंत्री कपिल देव अग्रवाल रहे। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का पटका पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से अमित गर्ग, अंकुर गर्ग, राजकुमार, भीम कंसल, सतीश गोयल, अशोक कंसल, विजय शुक्ला, श्रीमोहन तायल, अवनीश तायल, देवेंद्र गर्ग, डीके राठी, होतीलाल शर्मा, बीएम गुप्ता, रामकुमार तायल, मुकेश अरोड़ा, मुकेश लाल एड, पीके गुप्ता, प्रमोद बंसल, राजन अग्रवाल, राजेंद्र साहनी, रामवीर सिंह, शिवचरण गर्ग, श्रीकृष्ण अग्रवाल, सुभाष वर्मा, विनोद अग्रवाल, विपिन गुप्ता, विशाल कालरा, विश्वदीप गोयल, उपेंद्र बंसल, वेद प्रकाश, दीपक सिंघल, अजय सिंघल, अमरीश गोयल, मनोज गोयल, मनोज अग्रवाल, प्रवीन गोयल, प्रमोद गोयल, आरके गर्ग, राजीव गोयल, सोम कुच्छल, अनिल तायल, कुशपुरी, अमरीश सिंगल, रमेश सिंगल, शिवकुमार, नरेश गुप्ता, बीबी गुप्ता, उमेश शर्मा, बीआर शर्मा, डॉ. एमएल गर्ग, संतोष हॉस्पिटल से डॉ. आदित्य नागर, रमा नागर, अभिनव नागर, अंकुर गोयल, अभिषेक सोबती, सौरभ अग्रवाल, शोभित गर्ग, दीपांशु बंसल, अर्चित गोयल आदि मौजूद रहे।

मंत्री ने ट्रांसपोर्टरों की समस्या पर केंद्रीय मंत्री को लिखा पत्र

- गैर जनपद व प्रदेश में फिटनेस को लेकर बताई मुख्य समस्या

मुजफ्फरनगर, 05 फरवरी (बु.)। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर मुजफ्फरनगर के व्यावसायिक वाहन स्वामियों, ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों एवं ई-रिक्शा संचालकों की समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। मंत्री कपिल देव ने अपने पत्र में कहा कि भारत सरकार के निर्देश पर मुजफ्फरनगर में व्यावसायिक वाहनों की मैनुअल फिटनेस जांच व्यवस्था समाप्त कर वाहनों को बिजनौर एवं हरिद्वार उत्तराखंड में स्थित स्वचालित परीक्षण केंद्रों पर भेजे जाने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय से स्थानीय ट्रांसपोर्ट उद्योग, बस एवं ट्रक ऑपरेटरों, लघु व्यावसायिक वाहन स्वामियों तथा ई-रिक्शा चालकों में गहरी चिंता और रोष व्याप्त है। मंत्री कपिल देव ने ने सरकार के इस निर्णय से उत्पन्न हो रही प्रमुख व्यावहारिक कठिनाइयों को रेखांकित करते हुए बताया कि अन्य जनपदों या राज्यों में फिटनेस हेतु जाने से इन लोगों को डीजल, टोल टैक्स व अन्य मदों में अत्यधिक आर्थिक बोझ पड़ेगा। वहीं लंबी दूरी तय करने एवं परीक्षण केंद्रों पर प्रतीक्षा के कारण व्यावसायिक कार्य दिवसों का भी भारी नुकसान होगा। जिले में पंजीकृत लगभग 15,000 से अधिक ई-रिक्शा इतनी लंबी दूरी तय करने में सक्षम नहीं हैं, जिससे आजीविका पर भी संकट उत्पन्न होगा तथा सड़क सुरक्षा जोखिम बढ़ेगा। इसके अलावा परीक्षण में कमी पाए जाने पर वाहनों को पुनः ले जाना और लाना अत्यंत जटिल, समय साध्य व खर्चीला सिद्ध होगा। मंत्री कपिल देव ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि जनहित, रोजगार संरक्षण तथा स्थानीय व्यापारिक संतुलन को दृष्टिगत रखते हुए मुजफ्फरनगर जिले में स्वचालित परीक्षण केंद्र स्थापित होने तक अभी पूर्ववत एआरटीओ कार्यालय में मैनुअल फिटनेस जांच व्यवस्था को जारी रखने के निर्देश प्रदान किए जाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार इस महत्वपूर्ण जन समस्या पर संवेदनशीलतापूर्वक विचार कर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगी।

बीडीओ चरथावल की रिपोर्ट पर लटकी पालिका की जांच

- प्रारंभिक जांच में 4 निविदाएं ही मिली पालिका में संदिग्ध - सभासदों की शिकायत के बाद खुला ठेकेदारों के झूठ का राज

मुजफ्फरनगर, 05 फरवरी (बु.)। नगरीय विकास के लिए प्रस्तावित 218 निर्माण कार्यों की निविदाओं में फर्जी प्रपत्र लगाने के आरोपों ने पालिका में हलचल मचा दी है। भाजपा सभासदों की शिकायत में जहां निर्माण दफ्तर में आमंत्रित निविदाओं में भ्रष्टाचार व अनियमितता के गंभीर आरोप लगाए गए, वहीं पालिका प्रशासन ने प्रारंभिक जांच में किसी बड़ी गड़बड़ी से इंकार करते हुए मात्र 4 निविदाओं में प्रपत्र संदिग्ध पाए जाने का दावा किया है, जिनकी जांच लंबित है। नगरपालिका परिषद् में विभिन्न क्षेत्रों में प्रस्तावित 218 निर्माण कार्यों, जिनमें अधिकांश कार्य सड़क व नाला निर्माण से संबंधित हैं, की निविदाओं में ठेकेदारों के कथित रूप से फर्जी प्रपत्र लगाने के आरोपों के बीच विवाद गहरा रहा है। भाजपा सभासदों योगेश मित्तल, राजीव शर्मा, मनोज वर्मा, सीमा जैन, रजत धीमान व देवेश कौशिक ने ईओ डॉ. प्रज्ञा सिंह को पत्र लिखकर इन कार्यों के लिए 12 जनवरी व 27 जनवरी में प्राप्त निविदाओं में अनियमितता का आरोप लगाया था। सभासदों के अनुसार, 12 जनवरी में 113 एवं 27 जनवरी को 105 निर्माण कार्यों के लिए निर्माण विभाग में निविदाएं प्राप्त हुई थी, जिनमें उक्त ठेकेदारों ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र, एफडीआर लगाए जाने का आरोप लगाते हुए सभी निविदाओं को निरस्त करते हुए पुनः निविदा आमंत्रित करने व दोषी ठेकेदारों पर कार्रवाई की मांग की थी। इस बीच ईओ ने निर्माण विभाग से रिपोर्ट तलब की। अधिशासी अधिकारी डॉ. प्रज्ञा सिंह ने बताया कि उन्होंने मामले में प्राप्त शिकायतों व मीडिया में आ रही खबरों का संज्ञान लेकर पूर्व में ही एई निर्माण नैपाल सिंह को 31 जनवरी में कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था, जिसका जवाब दे दिया गया है। एई ने 03 फरवरी को नोटिस को लेकर अपने जवाब में स्पष्ट किया कि मात्र 4 निविदाओं में संदिग्ध अनुभव प्रमाण पत्र मिले हैं और शेष निविदाएं नियमानुसार हैं। ईओ ने कहा कि 13 अक्टूबर को संपन्न बोर्ड बैठक में स्वीकृत निर्माण कार्यों को पूर्ण कराने के लिए निर्माण विभाग के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की थीं। निविदाएं खुलने के बाद प्रपत्रों की जांच में निर्माण विभाग के एई नैपाल सिंह द्वारा 4 निविदाओं में अनुभव प्रमाण पत्र संदिग्ध पाए हैं। ये प्रमाण पत्र चरथावल बीडीओ कार्यालय से जुड़े बताए जा रहे हैं। ईओ के अनुसार, एई द्वारा इन अनुभव प्रमाण पत्रों के सत्यापन को बीडीओ चरथावल को पत्र भेजा है, लेकिन अभी वहां से कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई। इसी आधार पर 218 निविदाओं को निरस्त करने की मांग हो रही है, जबकि प्रारंभिक जांच में अन्य निविदाओं के प्रपत्र सही पाए हैं। यदि बीडीओ रिपोर्ट में ये प्रमाण पत्र फर्जी सिद्ध होते हैं, तो उक्त ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और उन्हीं कार्यों के लिए पुनः निविदा आमंत्रित होंगी।

रुपयों के विवाद में भाई ने बहन को गोली मारकर हत्या की

आगरा, 05 फरवरी (वार्ता)। प्रदेश के आगरा जिले में रुपयों के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में भाई ने अपनी बहन की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना गुरुवार रात थाना शाहगंज क्षेत्र के अयोध्या कुंज मोहल्ले की है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार आरोपी रवि अपने दो साथियों के साथ बहन अनीता के घर पहुंचा था। रुपयों को लेकर दोनों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। गुरुवार रात भी कहासुनी के दौरान मामला बढ़ गया, जिसके बाद रवि ने तमंचा निकालकर अनीता को गोली मार दी। गोली लगते ही वह गंभीर रूप से घायल हो गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी रवि पूर्व में एक मामले में जेल जा चुका है और उसकी जमानत भी बहन ने कराई थी। फिलहाल रवि और उसके साथियों की तलाश में पुलिस की चार टीमें गठित की गई हैं।

खतौली सर्राफा बाजार में हंगामा: गिरवी चांदी के जेवरों को लेकर भिड़े ग्राहक और व्यापारी, पुलिस ने संभाला मोर्चा

खतौली, 05 फरवरी (बु.)। खतौली कस्बे के मुख्य सर्राफा बाजार में बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दर्जनों महिलाओं और पुरुषों ने एक प्रतिष्ठित सर्राफा व्यापारी की दुकान का घेराव कर जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। अचानक हुए इस घटनाक्रम से बाजार में तनाव का माहौल बन गया और मौके पर तमाशबीनों की भारी भीड़ जुट गई। विवाद गिरवी रखे गए चांदी के जेवरों और उनके बदले ली गई कर्ज की रकम को लेकर था। हंगामा कर रहे लोगों का कहना था कि उन्होंने जरूरत के समय अपने चांदी के आभूषण व्यापारी के पास गिरवी रखकर ऋण लिया था। अब मूलधन के साथ पूरा ब्याज भी अदा कर दिया गया है, इसके बावजूद व्यापारी उनकी अमानत लौटाने में टालमटोल कर रहा है। पीड़ितों ने इसे विश्वासघात बताते हुए व्यापारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विवाद पर सर्राफा व्यापारी ने पलटवार करते हुए आरोपों को बेबुनियाद बताया। उसका कहना था कि कई ग्राहकों ने वर्षों से न तो ब्याज चुकाया और न ही हिसाब किया। व्यापारी के अनुसार, कई बार गांव जाकर तकादा करने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया और अब दबाव बनाने के लिए दुकान पर हंगामा किया जा रहा है। बाजार में बढ़ते हंगामे की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन सहमति न बनने पर पुलिस सभी को थाने ले गई। वहां भी दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक तीखी बहस और आरोप-प्रत्यारोप चलता रहा। अंततः पुलिस ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनकर निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया। पुलिस ने कहा कि रिकॉर्ड की जांच के बाद यदि ग्राहकों का दावा सही पाया जाता है, तो गिरवी रखे गए जेवर उन्हें वापस दिलाए जाएंगे। पुलिस के आश्वासन के बाद ही मामला शांत हुआ और दोनों पक्ष थाने से लौटे।

आवश्यकता है
एक अनुभवी ड्राईवर की, जो ऑटोमैटिक, मैनुअल और इलैक्ट्रिक गाड़ी चलाना जानता हो।
वेतन योग्यतानुसार
संपर्क करें:-
8847634573
63953 55939

अनमैप्ड मतदाताओं को नोटिस पहुंचाने में बीएलओ की मदद करें बीएलए: पंकज प्रकाश

- जनपद में एसआईआर में अब बीएलए की सेवा बनेगी मददगार

मुजफ्फरनगर, 05 फरवरी (बु.)। मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर शुरू प्रक्रिया के अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ते कदमों के बीच प्रशासन ने अब राजनीतिक दलों को सहयोग के लिए आह्वान किया है। गुरूवार को पाल धर्मशाला में राजनीतिक पार्टियों के पदाधिकारियों से इस दिशा में आगे आने का आह्वान करते हुए बीएलए की नियुक्ति में और सक्रिय होने की जरुरत पर बल दिया। मुजफ्फरनगर विधानसभा में चल रहे एसआईआर में बूथ स्तर तक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए नगर मजिस्ट्रेट पंकज प्रकाश राठौड़ ने पाल धर्मशाला में बीएसए की संपन्न बैठक में बताया कि इस बार भारत निर्वाचन आयोग ने एसआईआर में सहयोग करने के साथ निगरानी के लिए सभी प्रमुख राजनीतिक दलों को प्रत्येक बूथ पर अपना एक-एक बीएलए नियुक्त करने का मौका दिया है। उन्होंने बताया कि एसआईआर को लेकर नगरीय क्षेत्र में पाल धर्मशाला के साथ रुड़की रोड पर मंगलम मंडप, श्री शक्ति रामलीला भवन इन्दिरा कॉलोनी निकट सिटी चिल्ड्रन स्कूल, श्री आदर्श राम लीला भवन पटेलनगर, मालवीय चौक स्थित सोल्जर बोर्ड, बीआरसी बिलासपुर, जैन मंदिर पूजा स्वीट्स प्रेमपुरी और नवीन मंडी स्थल कूकड़ा मंडी क्षेत्र में शुक्रवार से एसआईआर के छूटे लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें नई वोट बनाने के साथ मतदाताओं की अन्य समस्याओं का निदान किया जाएगा। उन्होंने बीएलए के साथ संपन्न बैठक में विधान सभा क्षेत्र के छूटे मतदाताओं से इन कैंपों में पहुंचने का आह्वान किया है।

खत्म होगा निपाह वायरस का खौफ, जापान ने बना दी वैक्सीन! इंसानों पर ट्रायल होगा शुरू

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसी)। जापान के शोधकताओं की एक टीम ने निपाह वायरस जैसी जानलेवा बीमारी के खिलाफ एक वैक्सीन को लेकर बड़ी उम्मीद जगाई है। टोक्यो यूनिवर्सिटी में विकसित यह वैक्सीन अब इंसानों पर क्लिनिकल ट्रायल के लिए तैयार है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस वैक्सीन का फेज-1 ट्रायल अप्रैल से बेल्जियम में शुरू होगा। निपाह वायरस की मौत की दर 40 से 75 प्रतिशत तक मानी जाती है और फिलहाल इसके लिए कोई पक्का इलाज या लाइसेंस प्राप्त वैक्सीन मौजूद नहीं है, इसलिए यह खबर बेहद अहम मानी जा रही है। यह जानकारी ऐसे समय पर सामने आई है, जब भारत में जनवरी महीने में पश्चिम बंगाल से निपाह के दो मामले सामने आए थे। इससे साफ है कि यह वायरस सिर्फ एक देश तक सीमित नहीं है और दुनिया के कई हिस्सों के लिए खतरा बना हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, यह वैक्सीन खसरा वायरस के बदले हुए रूप पर आधारित है। वैज्ञानिकों ने खसरे के वायरस में निपाह वायरस की जेनेटिक जानकारी का एक हिस्सा डाला है। जब यह वैक्सीन इंसान के शरीर में दी जाती है, तो शरीर में निपाह वायरस जैसे एंटीजन प्रोटीन बनते हैं। इससे हमारा इम्यून सिस्टम एक्टिव हो जाता है और शरीर की रक्षा क्षमता मजबूत होती है, जिससे बीमारी के लक्षण उभरने से पहले ही रोकथाम हो सकती है। खास बात यह है कि खसरे का यह बदला हुआ वायरस पहले से ही दुनिया भर में वैक्सीन के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है, यानी इसकी बुनियादी सुरक्षा को लेकर वैज्ञानिकों को भरोसा है। इस वैक्सीन को पहले हैम्स्टर पर टेस्ट किया जा चुका है, जहां इसकी सुरक्षा और असर दोनों को सही पाया गया। अब अगला कदम इंसानों पर इसका परीक्षण करना है।

किसानों को अब पांच मिनट में ई-केसीसी से ऋण: योगी

लखनऊ, 5 फरवरी (वार्ता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डिजिटल गवर्नेंस के कारण उत्तर प्रदेश में कृषि ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी तरह बदल गई है। पहले किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से ऋण पाने में 25 दिन से एक महीने तक का समय लगता था, लेकिन अब ई-केसीसी के जरिए किसान मात्र पांच मिनट में ऋण सुविधा प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री गुरुवार को लोकभवन में आयोजित राज्य ऋण संगोष्ठी एवं राज्य फोकस पेपर 2026-27 के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए प्रदेश का कृषि ऋण लक्ष्य 3 लाख करोड़ रुपये तय किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है। योगी ने कहा कि आज सरकार और किसान मिलकर खेती में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से केंद्रीय बजट में एआई एग्रीकल्चर प्लेटफॉर्म की घोषणा की गई है और उत्तर प्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कई फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन (एफपीओ) को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों द्वारा संचालित कसया मिल्क प्रोड्यूसर एफपीओ (1005 सदस्य) और मथुरा की 750 महिलाओं वाली सरसों उत्पादक कंपनी पूरे प्रदेश के लिए रोल मॉडल हैं। महिलाओं ने प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन के जरिए बेहतर मुनाफा कमाया है। सरकार ऐसे प्रयासों को हर स्तर पर सहयोग देगी। योगी ने कहा कि "सहकार से समृद्धि" के विजन के तहत सहकारिता क्षेत्र में डिजिटलीकरण से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। उन्होंने बताया कि 2017 से पहले बंद होने की कगार पर खड़े 16 जिला सहकारी बैंकों में से 15 आज मुनाफे में हैं। एमएसएमई सेक्टर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ओडीओपी (एक जिला-एक उत्पाद) योजना ने उत्तर प्रदेश को नई पहचान दी है। आज प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई यूनिट्स कार्यरत हैं और लगभग 3 करोड़ परिवार इससे जुड़े हैं। निर्यात 84 हजार करोड़ से बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। योगी ने कहा कि वर्ष 2000 से 2017 के बीच 17 वर्षों में गन्ना किसानों को 2.14 लाख करोड़ का भुगतान हुआ, जबकि बीते 9 वर्षों में ही 3 लाख करोड़ का भुगतान किया गया है।

2017 के बाद गन्ना किसानों को तीन लाख करोड़ का भुगतान: योगी

लखनऊ, 5 फरवरी (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में गन्ना किसानों की स्थिति में ऐतिहासिक सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2000 से 2017 के बीच 17 वर्षों में गन्ना किसानों को कुल 2.14 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जबकि वर्ष 2017 से 2025 के बीच केवल 8-9 वर्षों में 3 लाख करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में भेजे गए हैं। मुख्यमंत्री यह बातें राज्य ऋण संगोष्ठी एवं राज्य फोकस पेपर 2026-27 के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आधे समय से भी कम अवधि में पिछली सरकारों की तुलना में 86 हजार करोड़ रुपये अधिक भुगतान गन्ना किसानों को किया गया है। योगी ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश सरकार गन्ना किसानों को 400 रुपये प्रति क्विंटल का भुगतान कर रही है। यह सरकार की किसान हितैषी नीतियों और ठोस निर्णयों का परिणाम है, जिससे अन्नदाता किसानों को सीधा लाभ मिला है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश आज इथेनॉल उत्पादन में देश में पहले स्थान पर है। इसके साथ ही देश के कुल गन्ना उत्पादन का 55 प्रतिशत हिस्सा अकेले उत्तर प्रदेश से आता है। चीनी उत्पादन में भी यूपी देश में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि गन्ना आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार ने समयबद्ध भुगतान, निवेश को बढ़ावा और उद्योगों के आधुनिकीकरण जैसे कई कदम उठाए हैं, जिसका सीधा लाभ किसानों और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिल रहा है।

शाहजहांपुर में पूर्व समाज कल्याण अधिकारी की 4.49 करोड़ की संपत्ति कुर्क

शाहजहांपुर, 05 फरवरी (वार्ता)। शाहजहांपुर में वृद्धावस्था पेंशन घोटाले में बड़ी कार्रवाई करते हुए जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने पूर्व समाज कल्याण अधिकारी राजेश कुमार की चार करोड़ 49 लाख 24 हजार 941 रुपये की चल-अचल संपत्तियां कुर्क करने के आदेश जारी किए हैं। प्रशासन ने उन्हें वर्ष 2023 के पेंशन घोटाले का गैंग लीडर मानते हुए गैंगस्टर एक्ट के तहत यह कार्रवाई की है। जांच में सामने आया था कि राजेश कुमार ने 2390 बुजुर्गों की वृद्धावस्था पेंशन की धनराशि अन्य खातों में स्थानांतरित कर करीब दो करोड़ 52 लाख रुपये का गबन किया। मामले में 2024 में एफआईआर दर्ज होने के बाद आरोपी को निलंबित कर जेल भेजा गया था। इस घोटाले में शामिल लगभग दस अन्य आरोपी भी पहले ही जेल जा चुके हैं। कुर्क की गई संपत्तियों में आरोपी के नाम दो कारें, उसके पुत्र के नाम एक कार, सीतापुर के सिधौली क्षेत्र में कृषि भूमि, लखनऊ में पत्नी के नाम दर्ज एक मकान और गेस्ट हाउस शामिल हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि कुर्क संपत्तियों पर प्रशासक नियुक्त कर कब्जे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है तथा अन्य आरोपियों की भूमिका की भी गहन जांच जारी है।

बिरालसी में सड़क हादसे के बाद माहौल गर्माया

चरथावल, 05 फरवरी (बु.)। चरथावल थाना क्षेत्र के ग्राम बिरालसी में सड़क हादसे के बाद क्षेत्र का माहौल तनावपूर्ण हो गया। हादसे में घायल व्यक्ति को टक्कर मारने वाला चालक उसे अपने साथ लेकर मौके से फरार हो गया, जिससे परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। घटना के बाद परिजन व ग्रामीण घायल की तलाश में सरकारी व निजी अस्पतालों में घंटों भटकते रहे, लेकिन देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका। घायल रणवीर निवासी रोनी हरजीपुर का पता न चलने से ग्रामीणों में बेचैनी और नाराजगी बढ़ती चली गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने भीम आर्मी के विधानसभा अध्यक्ष अक्षय आढ़ती के नेतृत्व में बिरालसी-थानाभवन मार्ग पर जाम लगा दिया। जाम के कारण मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंच गया और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास शुरू किया गया। प्रभारी निरीक्षक सत्यनारायण दहिया ने बताया कि घायल रणवीर चरथावल सीएचसी में मिला है घटना की जांच की जा रही है। पुलिस मौके पर मौजूद है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल पुलिस बल मौके पर मौजूद है और हालात पर नजर रखी जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल को शातिर दिमाग युवराज बताया, कहा- पार्टी बदल दी तो गद्दार हो गए?

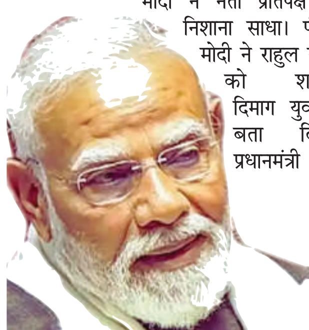

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसी)। संसद भवन परिसर में राहुल गांधी द्वारा केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को "गद्दार" कहे जाने पर पीएम मोदी ने नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने राहुल गांधी को शातिर दिमाग युवराज बता दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच की घटना का भी जिक्र किया। इस दौरान पीएम मोदी ने राहुल के गद्दार वाले बयान पर निशाना साधते हुए उन्हें शातिर दिमाग युवराज बता दिया। पीएम मोदी ने कहा, कल जो घटना घटी, इसी सदन के सांसद कांग्रेस के शातिर दिमाग युवराज ने उन्हें गद्दार कह दिया। अहंकार सातवें आसमान पर पहुंचे चुका है उनका। कांग्रेस को छोड़कर कितने लोग निकले हैं। कई लोग दूसरे देशों में गए हैं। और किसी को तो उन्होंने गद्दार नहीं कहा। लेकिन कल उन्होंने सांसद को गद्दार कहा क्योंकि वो सिख थे। उनके अंदर सिखों के लिए, जो नफरत भरी है, यह उसका ही उदाहरण था। जिसका परिवार देश के लिए शहादत देने वाला परिवार है, उसके वह सदस्य हैं, उन्होंने पार्टी बदल ली तो वे गद्दार हो गए। ये एक सिख हैं, इसके लिए, सिख गद्दार कहना ये दुर्भाग्य की बात है। संसद भवन की सीढ़ियों पर खड़े होकर राहुल गांधी निलंबित सांसदों के साथ प्रदर्शन कर रहे थे। इसी बीच, रवनीत सिंह बिट्टू वहां से गुजर रहे थे। बिट्टू को देखते हुए राहुल गांधी ने प्रतिक्रिया दी और उन्हें "गद्दार दोस्त" कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा, "मेरा गद्दार दोस्त। चिंता मत करो, वापस आओगे।" राहुल गांधी ने आगे बढ़कर रवनीत सिंह बिट्टू से हाथ मिलाने की भी कोशिश की। हालांकि, कांग्रेस सांसदों के सामने रवनीत सिंह बिट्टू ने राहुल गांधी से हाथ नहीं मिलाया। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए उन्हें 'देश का दुश्मन' बताया। कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए रवनीत सिंह बिट्टू संसद भवन के अंदर चले गए। उनके पीछे राहुल गांधी भी चले गए। बाद में इस पूरे प्रकरण पर बात करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा, "स्पीकर साहब तो सदन के कस्टोडियन (संरक्षक) हैं। वह मालिक हैं, और कहां जाएगा आदमी? यहां पर अगर ये चीजें होंगी और उनकी अच्छी फिटनेस है, हाथ हमारा भी भारी ही होता है, हल्का नहीं होता, लेकिन यह हमारा राजनीति में काम नहीं है। हम जो भी बात करनी है, वह लहजे और लिहाज से करनी है, सही तरीके से करनी है। संसदीय भाषा में बात करनी चाहिए। ये लोग आज ताकत के बगैर मतलब गुंडागर्दी तक उतर आए हैं। इन्हें जनता देखेगी कि इनके साथ क्या करना है। ये करते क्या हैं, इनकी सोच क्या है। आज सामने आ गई।" रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा, "वे समझते हैं कि सबसे बड़े देशभक्त हम ही हैं। मेरे पिता जी ने शहादत दी... मेरी पार्टी में यही लड़ाई थी कि आपके लगाए आग में हमारे गुरुद्वारा में गोली चली, स्वर्ण मंदिर में। हजारों सिखों को इन्होंने निशाना बनाकर कत्ल कराया। अगर राजीव गांधी का नाम शहीद में आता है तो सरदार बेअंत सिंह भी कहना पड़ता है। मैं उस परिवार से आता हूं, ये तकलीफ है। अगर एक शहीद का पोता आपके (राहुल गांधी) साथ था तो ठीक था, अगर मैं भाजपा में हूं तो आपको तकलीफ है...जब उन्होंने ये कह-के हाथ मिलाने आगे बढ़ाया तो मैंने कहा कि आप देश के गद्दार हो जो रोज सेना के खिलाफ बात करते हैं...मेरा गांधी परिवार के वारिस के साथ हाथ नहीं मिलना। रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा, ये सिख का हमेशा निशाना बनाते रहे हैं, उसी तरीके से आज वे शब्द बोले। बाकी सांसद थे किसी ने कुछ नहीं कहा। हम सहकर्मी हैं रोज मिलते हैं लेकिन किसी ने कुछ नहीं कहा... राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं पता नहीं आज उन्हें क्या हुआ था क्या गुस्सा लेकर मन में बैठे थे... ये बोल कर उन्होंने हाथ आगे किया था तो मैंने कहा कि आप मेरे बात छोड़िए आप क्या हैं? आप देश के सबसे बड़े गद्दार हैं और सिखों के कातिल हैं।"

'जिन्हें कोई पूछता नहीं था, नरेन्द्र मोदी उन्हें पूजता है'

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, तुम कितने ही नारे लगा लो कब्र नहीं खोद पाओगे। माताओं-बहनों का मेरे प्रति जो भाव रहा है। जिन्हें कोई पूछता नहीं था, मोदी उन्हें पूजता है। ये आशीर्वाद हैं, जो उन्हें चुभता है। इसलिए वे कब्र खोदना चाहते हैं। चोरी करना जिनका पुश्तैनी धंधा है। जिन्होंने गुजराती सरनेम चुरा लिया। महात्मा गांधी का सरनेम चुरा लिया। ऐसे लोगों को देश की समझदार जनता पटक देती है।

लोकसभा: स्पीकर ओम बिरला का बड़ा बयान, पीएम के बिना ही पास हुआ धन्यवाद प्रस्ताव, मैंने आने से किया मना

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसी)। बजट सत्र के दौरान लोकसभा में बने तनावपूर्ण हालात को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को सख्त टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यदि उस दिन कोई भी अप्रिय घटना घट जाती, तो वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण होता बल्कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे को भी गहरी क्षति पहुंचाता। स्पीकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि संसद लोकतंत्र का सबसे पवित्र मंच है और यहां इस प्रकार का आचरण पूरी तरह अस्वीकार्य है। ओम बिरला ने सांसदों से संयम बरतने और संसदीय मर्यादाओं का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि सदन की गरिमा बनाए रखना सभी सदस्यों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान जवाब देने वाले थे, तभी उन्हें ठोस इनपुट मिला था कि कांग्रेस के कुछ सदस्य कोई अप्रत्याशित कदम उठा सकते हैं। स्पीकर ने बताया कि संभावित खतरे को भांपते हुए और किसी भी तरह की अनहोनी को रोकने के लिए उन्होंने स्वयं प्रधानमंत्री से सदन में न आने का अनुरोध किया था। यह निर्णय पूरी तरह एहतियात के तौर पर लिया गया, ताकि हालात बिगड़ने से पहले ही नियंत्रित किए जा सकें।

मेरठ में स्कूल बस की टक्कर, दो दोस्तों की मौत : एक्सप्रेसवे अंडरपास के पास हादसा

मेरठ, 05 फरवरी (एजेंसी)। मेरठ में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। खरखौदा-मुंडाली मार्ग पर एक्सप्रेसवे अंडरपास के पास बीआर इंटरनेशनल स्कूल कैली की बस ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों उछल कर 10 फीट दूर जा गिरे। बस चालक मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। हादसा खरखौदा थाना क्षेत्र के बिजौली का है। गाजियाबाद के भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव ल्योड़ी निवासी सुहेल (25) पुत्र अंजार अपने दोस्त फैजान (24) पुत्र जब्बार के साथ पैशन प्रो बाइक से अजराड़ा की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे बिजौली के पास गंग एक्सप्रेसवे के सर्विस रोड पर पहुंचे, सामने से आ रही एक स्कूल बस ने उनको टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। राहगीरों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। दोनों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। सुहेल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और फैजान को मेरठ

फाइल फोटो

के सरस अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बस की पहचान एक बीआर इंटरनेशनल कैली की बस के रूप में होने की बात सामने आई है परिजनों के अनुसार सुहेल और फैजान बचपन के दोस्त थे। दोनों गांव के राजकीय इंटर कॉलेज में 11वीं कक्षा के छात्र थे और अक्सर साथ ही आते-जाते थे। एक ही बाइक पर निकले दोनों दोस्तों की जिंदगी एक ही पल में खत्म हो गई। हादसे की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। गांव में मातम पसरा हुआ है। रोते-बिलखते परिजन बार-बार यही सवाल कर रहे हैं, आखिर हमारे बच्चों की गलती क्या थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, खरखौदा से मुंडाली की ओर जा रही बीआर इंटरनेशनल कैली की बस ने बाइक को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि बाइक सवार दोनों युवक करीब 10 मीटर दूर एक खेत में जा गिरे। बस बाइक को लगभग 50 मीटर तक घसीटती हुई ले गई। दोनों के चेहरे बुरी तरीके से खराब गए थे। हादसे के तुरंत बाद बस चालक बस छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, शवों को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भाजपा ईस्ट इंडिया कंपनी बन गई है—यूजीसी नियमों पर भड़के निलंबित पीसीएस अधिकारी

शाहजहांपुर, 05 फरवरी (एजेंसी)। बरेली के पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट एवं निलंबित पीसीएस अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री ने यूजीसी के नए नियमों को लेकर जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश में इस मुद्दे पर आक्रोश है, लेकिन अधिकांश नेता आवाज उठाने से बच रहे हैं, खासतौर पर वे जनप्रतिनिधि जो केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव जीतकर संसद और विधानसभा तक पहुंचे हैं। बृहस्पतिवार को शाहजहांपुर पहुंचे अलंकार अग्निहोत्री ने परशुराम धाम में दर्शन के बाद एक कैफे में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि लोकतंत्र विफल होता नजर आ रहा है, इसी कारण उन्होंने पद से इस्तीफा देना पड़ा। उन्होंने कहा कि वह अपने ही समाज से लड़ने नहीं आए हैं, लेकिन देश के हालात तेजी से खराब हो रहे हैं और आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है। अलंकार अग्निहोत्री ने भाजपा की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से करते हुए कहा कि एससी-एसटी एक्ट का भी विरोध किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में सामान्य वर्ग के साथ-साथ ओबीसी समाज की भी दुर्गति हो रही है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि एक नए विकल्प की तैयारी चल रही है, जिसकी जानकारी जल्द दी जाएगी। उन्होंने संकेत दिए कि वह सामान्य वर्ग और ओबीसी समाज को साथ लेकर एक मजबूत विकल्प पेश करेंगे। उनके इस बयान के बाद राजनीति में सक्रिय होने की अटकलें तेज हो गई हैं। अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि यूजीसी के नए नियमों के बाद पूरे देश में विरोध की आग लगी है, लेकिन जनप्रतिनिधि चुप हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने केवल नरेंद्र मोदी के नाम पर टिकट हासिल करते हैं और बाद में हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण कर चुनाव जीत लेते हैं। ऐसे नेताओं का कोई व्यक्तिगत जनाधार नहीं होता। उन्होंने

ब्राह्मण समाज से जुड़े नेताओं से अपील करते हुए कहा कि उन्हें शर्म, मर्यादा और कुल गौरव का ध्यान रखते हुए यूजीसी नियमों के खिलाफ खुलकर आवाज उठानी चाहिए। इस दौरान कांग्रेस के युवा जिलाध्यक्ष रामजी अवस्थी, जिला महामंत्री गौरव त्रिपाठी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

मोहब्बत की दुकान वाले 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' के नारे लगा रहे

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसी)। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्होंने कहा, हम विकसित भारत की जमीन मजबूत कर रहे हैं, उसे एक ताकत दे रहे हैं। एक तरफ देश के युवाओं के लिए मजबूत जमीन तैयार कर रहा हूं तो कांग्रेस मोदी की कब्र खोदने के कार्यक्रम में लगी है। मोहब्बत की दुकान खोलने वाले मोदी तेरी कब्र खुदेगी के नारे लगा रहे हैं। ये कौन सी मोहब्बत की दुकान है जो देश के ही नागरिक की कब्र खोदने की बात कर रही हो। क्या यह मानवता का अपमान नहीं है। किस प्रकार के संस्कार में पले-बढ़े लोग हैं ये। मेरा अनुभव पुराना है। 2002 से जब वे लिखवा रहे थे, तबसे 2004 में जब वे सत्ता में आए तब से और 2014 में जब मैं सत्ता में आए तबसे संसद का एक भी सत्र ऐसा नहीं गया, जब सदन से मोदी को गाली देने का काम न किया गया हो। करीब 25 साल। मैं संसद में नहीं था कई मौकों पर। मुझसे किसी ने पूछा था कि मोदीजी आपका स्वास्थ्य कैसे ठीक रहता है, मैंने कहा था कि मैं रोज दो किलो गाली खाता हूं। उन्होंने कहा, हमने अनुच्छेद 370 हटाया इसलिए ये मोदी की कब्र खोदते हैं। ऑपरेशन सिंदूर में आतंकियों को घर में घुसकर मारा, इसलिए मोदी की कब्र खुदेगी। माओवादी आतंक से देश को आजाद करने के लिए कदम उठा रहे हैं, इसलिए उन्होंने मोदी की कब्र खोदनी है। नेहरू जी के समय में हमने सिंधु जल समझौता करके जो गलती की थी, उसे मोदी ने हटा दिया, इसलिए मोदी की कब्र खोदते हुए। उन्होंने आगे कहा, असम में कांग्रेस की परेशानी दूसरी है। उनकी परेशानी है कि मोदी यहां तक पहुंचा कैसे। उन्हें लगता है कि प्रधानमंत्री पद उनके परिवार की जागीर है। यह जो मोहब्बत की दुकान में आग भरी है न उसका परिणाम है। उन्हें लगता है कि यह प्रधानमंत्री पद हमारा अधिकार था, इसलिए वे मोदी की कब्र खुदने का भी नारा लेकर चल रहे हैं। कांग्रेस के शाही परिवार को देश ने इतने दशकों तक अवसर दिया है। देश ने अपना भविष्य आपके लिए भी दांव पर लगाया था। कांग्रेस के एक भी आज तक गरीबी हटाने की बात न आई हो ऐसा नहीं हुआ, लेकिन उन्होंने इसे हटाने के लिए किया क्या, यह आज तक सामने नहीं आया।

बलूचिस्तान में पाक सेना का अभियान, 216 लड़ाके मारे

इस्लामाबाद, 05 फरवरी (वार्ता) पाकिस्तानी सेना ने देश के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान में "आतंकवाद विरोधी अभियान" में कम से कम 216 बलूच लड़ाकों को मार गिराया है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि बलूच लड़ाकों के हमलों में सुरक्षा बलों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के कुल 22 जवान और 36 नागरिक भी मारे गये। यह अभियान 29 जनवरी को शुरू हुआ था, जब विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली थी कि बलूच लड़ाके स्थानीय आबादी के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। आईएसपीआर ने कहा कि इसके बाद सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के हमलों को नाकाम किया। बयान में कहा गया है कि इसके बाद कई इलाकों में खुफिया जानकारी पर आधारित एक बड़ा अभियान चलाया गया।

चीनी मांझे को लेकर मुख्यमंत्री योगी सख्त, अब मांझे से मौत को माना जाएगा हत्या

लखनऊ, 5 फरवरी (वार्ता) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में चीनी मांझे के इस्तेमाल पर पूरी तरह से रोक लगाते हुए इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को पूरे प्रदेश में व्यापक छापेमारी अभियान चलाने का आदेश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि चीनी मांझे से होने वाली मौतों को हत्या की श्रेणी में माना जाएगा। इस संबंध में की गई कार्रवाई की उच्च स्तर पर समीक्षा की जाएगी। चाइनीज मांझे की बिक्री पर न्यायालय और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) पहले ही पूर्ण प्रतिबंध लगा चुके हैं। इसके बावजूद प्रदेश के कई जिलों में चोरी-छिपे इसकी बिक्री जारी है, जो पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है। प्रतिबंध के बावजूद चीनी मांझे की खरीद-फरोख्त करने वालों के खिलाफ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा 15 के तहत कार्रवाई की जा सकती है। इसके अंतर्गत पांच वर्ष तक की सजा और एक लाख रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों का प्रावधान है। गौरतलब है कि राजधानी लखनऊ के बाजारखाला क्षेत्र में चीनी मांझे की चपेट में आने से एक युवक की मौत के बाद राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि चीनी मांझे के इस्तेमाल, भंडारण और बिक्री को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार ने पुलिस और प्रशासन को निर्देशित किया है कि वे प्रतिबंधित मांझे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि इस जानलेवा मांझे से होने वाली घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

एकतरफा प्यार, अश्लील हरकतें और फिर शिक्षिका ने बदला स्कूल, छात्र ने काटे शिक्षिका के होंठ

मैनपुरी, 05 फरवरी (एजेंसी)। जिले में एक चौकाने वाली घटना ने शिक्षक-छात्र संबंधों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय पुलिस और मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कक्षा 12 का एक छात्र अपनी पूर्व शिक्षिका पर एकतरफा प्यार के चलते हमला कर गया। हमले में शिक्षिका के दोनों होंठ कट गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं। उन्हें इलाज के लिए आगरा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत अभी भी नाजुक बताई जा रही है। मामला मैनपुरी कोतवाली क्षेत्र का है। पीड़िता एक निजी स्कूल में पढ़ाती थीं। पुलिस के अनुसार आरोपी छात्र (अक्षत प्रताप सिंह) पहले से ही शिक्षिका के साथ अश्लील हरकतें कर रहा था। शिकायत करने पर शिक्षिका ने छात्र के परिवार को सूचित किया, लेकिन सुधार नहीं हुआ। परेशान होकर शिक्षिका ने अपना स्कूल बदला और दूसरी जगह नौकरी शुरू की, लेकिन छात्र ने उनका पीछा करना जारी रखा। घटना के दिन, शिक्षिका ट्यूशन देने जा रही थीं। रास्ता रोकने के बाद बातचीत के दौरान कहासुनी हुई। गुस्साए छात्र ने धारदार हथियार से हमला किया और क्रूरता दिखाते हुए शिक्षिका के होंठ काट दिए। खून बहने पर शिक्षिका गिर पड़ीं, और छात्र मौके से फरार हो गया। यह पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई, और फुटेज सोशल मीडिया और न्यूज चैनलों पर वायरल हो गया। शिक्षिका के भाई ने कोतवाली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद छात्र के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस आरोपी की तलाश में लगी हुई है और पूरी जांच जारी है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया है।

हंगामे के चलते लोकसभा स्थगित-

नई दिल्ली। लगातार नारेबाजी और व्यवधान के कारण लोकसभा की कार्यवाही दोपहर तीन बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। व्यवस्था बनाए रखने के तमाम प्रयासों के बावजूद सदन में शांति बहाल नहीं हो सकी। विपक्ष के भारी हंगामे के बीच राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव लोकसभा में ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। खास बात यह रही कि इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परंपरा के अनुसार अपना भाषण नहीं दिया। यह स्थिति 2004 के बाद पहली बार देखने को मिली, जब प्रधानमंत्री के संबोधन के बिना ही धन्यवाद प्रस्ताव पारित हुआ। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष द्वारा पेश किए गए सभी संशोधनों को मतदान के लिए रखा, जिन्हें खारिज कर दिया गया। इसके बाद 28 जनवरी को दिए गए राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पढ़ा गया और ध्वनिमत से पारित कर दिया गया, जबकि विपक्ष का हंगामा लगातार जारी रहा।

140 करोड़ देशवासियों के रिमोट से चलती है मेरी सरकार'

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसी)। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्होंने कहा, इनकी सरकार रिमोट से चलती थी। मेरी सरकार भी रिमोट से चलती है। 140 करोड़ देशवासी मेरा रिमोट हैं। उनके सपने, आकांक्षाएं, संकल्प, इनके लिए हम जीते हैं। इनके लिए सरकार चलाते हैं। सत्ता हमारे लिए सुख का रास्ता नहीं है, सेवा का माध्यम है। प्रधानमंत्री ने कहा, इन्हें स्टार्टअप संस्कृति के बारे में नहीं पता था। ये अपने घर के स्टार्टअप को भी लिफ्ट नहीं कर पा रहे। हमारे समय में दो लाख स्टार्टअप हैं। वो जमाना याद कीजिए बीएसएनएल को लेकर चुटकुले चलते थे। आज हमने 4जी सबसे तेज रोलआउट करने का काम कर दिया है।

मथुरा में हनीट्रैप का खेल, चौकी इंचार्ज और सिपाही सस्पेंड

मथुरा 05 फरवरी (वार्ता) मथुरा में फरह थाना क्षेत्र की ओल पुलिस चौकी इलाके में हनीट्रैप के जरिए लाखों रुपये की उगाही का सनसनीखेज मामला सामने आया है। प्रकरण में चौकी इंचार्ज और एक सिपाही को निलंबित कर दिया गया है, जबकि ग्राम प्रधान समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आगरा के जगदीशपुरा निवासी जगदीश सिंह ने आरोप लगाया कि रेल विकास निगम से जमीन अधिग्रहण का मुआवजा मिलने की जानकारी के आधार पर सपना उर्फ राजवाला और श्याम जाट ने उन्हें जाल में फंसाया। आरोप है कि ओल के हिस्ट्रीशीटर ग्राम प्रधान खूबीराम के साथ मिलकर एक मकान में बुलाया गया, जहां महिला के साथ आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया गया। इसके बाद चौकी से पहुंचे पुलिसकर्मियों ने उन्हें बंधक बनाकर दुष्कर्म के मुकदमे में फंसाने की धमकी दी और पांच लाख रुपये की मांग की। पीड़ित के अनुसार, दबाव में आकर उसने एक लाख रुपये दे दिए, जबकि शेष रकम बाद में देने का आश्वासन दिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी अनिल कपरबान ने बताया कि शिकायत के आधार पर ग्राम प्रधान, महिला, चौकी इंचार्ज और एक अज्ञात कांस्टेबल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

ई-रिक्शा और बाइक के बीच भिड़ंत में बाइक सवार घायल

खतौली, 5 फरवरी (बु.)। ई-रिक्शा व बाइक के बीच हुई टक्कर में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार ई-रिक्शा व बाइक के बीच हुई टक्कर में बाइक सवार सलीम (54) पुत्र शब्बीर निवासी इस्लामनगर कॉलोनी, कस्बा खतौली गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों द्वारा गंभीर रूप से घायल सलीम को उपचार के लिए हायर सेंटर मेरठ रैफर कर दिया गया। पुलिस की सूचना पर घायल के परिजन तत्काल अस्पताल पहुंचे। कोतवाली पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

चाइनीज मांझा बेचने वालों के विरुद्ध चला पुलिस का विशेष अभियान

मुजफ्फरनगर, 5 फरवरी (बु.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रतिबंधित चाइनीज माझे की बिक्री को लेकर सख्त रवैया पर यूपी के सभी जनपदों में विशेष अभियान चलाया गया। जनपद के सभी थाना क्षेत्रों पुलिस ने दुकानों पर पहुंचकर चैकिंग की, वहीं दुकान मालिकों को प्रतिबंधित मांझे बेचने पर हिदायत देते हुए चेतावनी। वर्षभर में चाइनीज मांजे से लगभग 8 लोगों की मौत हो चुकी है। इस बात को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर मांझे से किसी व्यक्ति की मौत होती है, तो उसे हत्या माना जाएगा। उन्होंने यूपी के सभी जनपदों में चाइनीज मांजे बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए है। गुरुवार को एसएसपी संजय कुमार वर्मा के निर्देश पर थाना सिविल लाइन, खालापार, नई मंडी व शहर कोतवाली में अभियान चलाकर दुकानों पर चैकिंग की गयी। पुलिस ने दुकान मालिकों को सख्त निर्देश दिए कि अगर कोई प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बेचता हुआ पकड़ा, गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भारत में अचानक डाउन हुआ एक्स, दिल्ली-मुंबई समेत कई शहरों में सर्विस ठप

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसी)। भारत में लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पूर्व में ट्विटर) शाम 4 बजे अचानक डाउन हो गया। डाउन रिपोर्ट्स पर नजर रखने वाली वेबसाइट डाउन डिटेक्टर के मुताबिक, एक्स वेबसाइट यूजर्स इस समस्या से सबसे ज्यादा परेशान हैं, वहीं कुछ यूजर्स को ये दिक्कतें एप में आ रही हैं। डाउन डिटेक्टर के अनुसार, लगभग 64 फीसदी यूजर्स ने वेबसाइट में समस्या रिपोर्ट की है, जबकि 23% यूजर्स ने एप में परेशानी की बात कही है। वहीं, 13% लोगों का कहना है कि उन्हें लॉगइन या लॉगआउट में दिक्कतें आ रही हैं। भारत में के डाउन होने की सबसे ज्यादा रिपोर्ट्स दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और बंगलूरू और चेन्नई से दर्ज कराई गई हैं। एक्स वेबसाइट पर पेज रिफ्रेश होने में समस्या आ रही है।

शेष समाचार : भगवा चोले की आड़...

ठगी का तरीका, तंत्र-मंत्र के नाम पर वसूली

मुजफ्फरनगर। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि यह गैंग दिन में ग्रामीण क्षेत्रों में भिक्षा मांगने के बहाने रेकी करता था। ये लोग तंत्र-विद्या के नाम पर लोगों की समस्याओं को दूर करने का झांसा देते थे। जांच में सामने आया है कि इन्होंने दो व्यक्तियों से इलाज और समस्या समाधान के नाम पर लगभग 35 से 45 हजार रुपये की ठगी की है। "यह गिरोह प्रशिक्षित तरीके से साधु की भाषा बोलकर लोगों को भ्रमित करता था। इनके पास से मिले फर्जी आधार कार्डों के आधार पर वेरिफिकेशन किया गया, जिसमें इनके असली नाम (मुस्लिम) सामने आए। इनके खिलाफ फ्रॉड का मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। इतना ही नहीं इस टीम के इस खुलासे की प्रशंसा करते हुए टीम को 15 हजार की प्रोत्साहन राशि से भी सम्मानित करने की घोषणा की"

संजय कुमार वर्मा, एसएसपी

दिल्ली हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला: धर्मशाला में जन्मी तिब्बती महिला भारतीय नागरिक घोषित

नयी दिल्ली, 05 फरवरी (वार्ता) दिल्ली उच्च न्यायालय ने जन्म के आधार पर नागरिकता की संवैधानिक गारंटी को बरकरार रखते हुए एक महत्वपूर्ण फैसले में 1966 में धर्मशाला में जन्मी तिब्बती मूल की महिला को भारतीय नागरिक घोषित किया है।

न्यायालय ने अधिकारियों को उसे तुरंत भारतीय पासपोर्ट जारी करने का निर्देश भी दिया है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की एकल पीठ ने दो फरवरी को यांगचेन द्राकमार्ग्यापोन की एक रिट याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि उनका मामला नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 3(1)(क) के दायरे में आता है। यह कानून 26 जनवरी 1950 से एक जुलाई 1987 के बीच भारत में जन्मे हर व्यक्ति को जन्म के आधार पर भारतीय नागरिकता प्रदान करता है।

वंश के आधार पर तिब्बती शरणार्थी याचिकाकर्ता यांगचेन का जन्म 15 मई 1966 को हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में हुआ था। उनके जन्म का स्थान और तारीख आधिकारिक दस्तावेजों में स्पष्ट रूप से दर्ज भी है। इस पर अदालत ने पाया कि उन पर कानून के तहत नागरिकता से वंचित करने वाली कोई भी अयोग्यता लागू नहीं होती है। यह मामला लंबे समय तक 'नागरिक विहीनता' की एक असाधारण कहानी है। याचिकाकर्ता 1997 में स्विट्जरलैंड चली गई थीं, जहां स्विस अधिकारियों ने उन्हें केवल यात्रा के लिए एक खास तरह का 'विदेशियों के लिए पासपोर्ट' जारी किया था। साल 2014 में इस दस्तावेज की अवधि समाप्त होने के बाद स्विस अधिकारियों ने इसे नवीनीकृत करने से मना कर दिया और उन्हें भारत से पासपोर्ट प्राप्त करने को कहा। जब उन्होंने भारतीय अधिकारियों से संपर्क किया तो उनको बताया गया कि उनको पासपोर्ट नहीं मिल सकता।

केंद्र सरकार ने तर्क दिया था कि विदेशी यात्रा दस्तावेज रखना स्वेच्छा से विदेशी नागरिकता लेने जैसा है। लेकिन अदालत ने इस दलील को नहीं माना और उसे सिरे से खारिज कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे अस्थायी यात्रा दस्तावेजों से भारतीय नागरिकता समाप्त नहीं होती है। यह फैसला भारत में, विशेषकर धर्मशाला में रह रहे ऐसे लगभग एक लाख तिब्बती शरणार्थियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है, जो दशकों से अपनी नागरिक पहचान को लेकर कानूनी अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं। अदालत के फैसले से साफ हो गया है कि किसी शरणार्थी के दूसरे वंश के होने के बावजूद, कानून के तहत मिलने वाले नागरिकता के अधिकार को प्रशासनिक देरी या नौकरशाही के इनकार से खत्म नहीं किया जा सकता।

चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव ने तिहाड़ जेल में किया आत्मसमर्पण

नई दिल्ली, 05 फरवरी (एजेंसी)। अभिनेता राजपाल यादव ने आज गुरुवार को तिहाड़ जेल अधिकारियों के सामने सरेंडर कर दिया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने चेक बाउंस केस में उनकी सजा के सिलसिले में समय सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया था। साथ ही उन्हें तिहाड़ जेल में सरेंडर का आदेश दिया था। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, जेल के एक सूत्र ने बताया कि राजपाल यादव ने आज गुरुवार को शाम 4 बजे जेल अधिकारियों के सामने सरेंडर कर दिया। अब जेल अधिकारी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर का पालन करेंगे'। बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट ने बीते दिन बुधवार को राजपाल यादव को जेल अधिकारियों के सामने सरेंडर करने के लिए दी गई समय सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया था। राजपाल यादव को 2 फरवरी को यह निर्देश दिया गया था कि वे बुधवार शाम 4 बजे तक सरेंडर करें। अभिनेता के वकील ने कोर्ट को बताया था कि एक्टर ने 50 लाख रुपये का इंतजाम कर लिया है और भुगतान करने के लिए एक हफ्ते का और समय मांगा था। हालांकि, जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने सरेंडर करने के लिए समय बढ़ाने की राजपाल यादव की अर्जी खारिज कर दी और कहा कि उन्हें यह राहत देने का कोई आधार नहीं है। कंपनी ने नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के तहत केस दर्ज कराया। कोर्ट में कई बार समझौता हुआ, राजपाल यादव ने पैसे देने का वादा किया (कुल मिलाकर करीब 2.5 करोड़ या उससे जुड़ी रकम), लेकिन उन्होंने समय पर पैसे नहीं दिए। कोर्ट ने उन्हें कई मौके दिए, लेकिन हर बार वादा तोड़ा गया। इसलिए जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने सख्ती दिखाते हुए कहा कि अब और राहत नहीं दी जा सकती।

आवश्यकता है

ग्रेन चैम्बर हॉस्पिटल
को दो ट्रेंड नर्स की।
कम से कम दो वर्ष का अनुभव।
तुरन्त सम्पर्क करें-
M. 9412979007

ट्रैक्टर-कार की भिड़ंत, ससुर-दामाद की मौत, बेटा गंभीर

फतेहपुर, 5 फरवरी (वार्ता) उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में गुरुवार दोपहर ट्रैक्टर और स्विफ्ट डिजायर कार की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में कार सवार ससुर और दामाद की मौके पर मौत हो गई, जबकि बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार पंजाब के लुधियाना जिले के सिरोली गांव निवासी राजकुमार शर्मा (50) अपने दामाद सतीश शर्मा (28) और बेटे मोहित (17) के साथ फतेहपुर में एक शादी समारोह में शामिल होने आ रहे थे। असोथर थाना क्षेत्र के जरौली पंप कैनाल रोड पर उनकी कार की सामने से आ रहे ट्रैक्टर से तेज टक्कर हो गई, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए और तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने राजकुमार और सतीश को मृत घोषित कर दिया। मोहित का उपचार जारी है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

देश की पहली सहकारिता : क्षेत्र की टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' लॉन्च की अमित शाह

नयी दिल्ली, 05 फरवरी (वार्ता) केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह गुरुवार को देश की पहली सहकारिता-क्षेत्र की टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' शुरू की। श्री शाह ने सोशल मीडिया एक्स पर इस पहल का महत्व बताते हुए कहा कि यह मंच कई लोगों को साथ आकर, थोड़ा-थोड़ा निवेश करके कुछ बड़ा बनाने में मदद करेगा। उन्होंने आज दिन को टैक्सी चालकों के लिए अहम बताते हुए कहा कि देश की पहली सहकारिता-क्षेत्र की टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' का नयी दिल्ली में उद्घाटन उनके लिये एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि 'भारत टैक्सी' के जरिये टैक्सी चालक न सिर्फ ज्यादा मुनाफा कमा पाएंगे, बल्कि अपनी सेवा के मालिक भी बन जायेंगे। सहकारिता मंत्रालय ने इस सेवा की जानकारी देते हुए कहा, "गतिशीलता (मोबिलिटी) क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में परिकल्पित भारत टैक्सी में, 'सारथी' कहे जाने वाले ड्राइवरों को स्वामित्व, संचालन और मूल्य सृजन के केंद्र में रखा गया है। इससे उन्हें शोषणकारी एग्रीगेटर-आधारित प्रणालियों से मुक्ति मिलेगी।" उल्लेखनीय है कि श्री शाह भारत टैक्सी के लॉन्च के दौरान छह सारथियों (टैक्सी चालकों) को सहकारिता- यातायात इकोसिस्टम में उनके योगदान के लिये सम्मानित भी करेंगे। सभी सम्मानित टैक्सी चालकों को पांच-पांच लाख रुपए का एक निजी दुर्घटना बीमा और परिवार बीमा उपलब्ध करवाया जाएगा।

उन्नाव में सड़क हादसे में पति-पत्नी व दो बच्चों की मौत

उन्नाव 05 फरवरी (वार्ता) उत्तर प्रदेश में उन्नाव जिले के सोहरामऊ थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात नेशनल हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और उनके दो मासूम बच्चे शामिल हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी हसनगंज अरविंद कुमार ने बताया कि रात करीब 11:30 बजे लखनऊ से कानपुर की ओर जा रहे एक ट्रक ने सड़क पार कर रहे दूसरे ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर कानपुर की दिशा में जा रहे बाइक सवार परिवार को कुचलता हुआ निकल गया। बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और चारों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान अजगैन थाना क्षेत्र के वीरेंद्र, उनकी पत्नी तथा 9 वर्षीय पुत्री और 6 वर्षीय पुत्र के रूप में हुई है। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी चालक की तलाश में जुटी है।

पाकिस्तान, बंगलादेश के साथ खड़ा है शहबाज शरीफ़

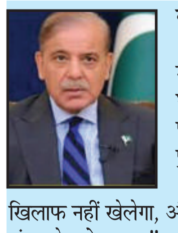

कराची, 05 फरवरी (वार्ता) प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घोषणा की है कि पाकिस्तान आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के खिलाफ नहीं खेलेगा, और कहा कि यह फ़ैसला बंगलादेश के साथ "बहुत सोच-समझकर और एकता में" लिया गया है। एक फ़ेडरल कैबिनेट मीटिंग को एड्रेस करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा, "स्पोर्ट्स को पॉलिटिकल असर से दूर रहना चाहिए, साथ ही 20-टीम के टूर्नामेंट पर पाकिस्तान का स्टैंड भी बताया।" जियो न्यूज के अनुसार शहबाज शरीफ ने कहा, "स्पोर्ट्स के फील्ड में पॉलिटिक्स की कोई जगह नहीं होनी चाहिए," और कहा कि "इंडिया के खिलाफ टी20 मैच का बॉयकॉट करने के मामले में पाकिस्तान को बंगलादेश के साथ खड़ा होना चाहिए।" इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) द्वारा बंगलादेश को टूर्नामेंट से हटाने के बाद पाकिस्तान ने प्रोटेस्ट के तौर पर 15 फरवरी को अपने कट्टर दुश्मन इंडिया के खिलाफ होने वाले मैच का बॉयकॉट करने का फ़ैसला किया है। आईसीसी ने यह फैसला बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड की उस रिक्वेस्ट को ठुकराने के बाद लिया, जिसमें उन्होंने टूर्नामेंट के 7 फरवरी से शुरू होने के इतने करीब लॉजिस्टिक दिक्कतों का हवाला देते हुए अपने मैच भारत के बाहर किसी जगह पर शिफ्ट करने की रिक्वेस्ट की थी। इसके बाद बंगलादेश की जगह स्कॉटलैंड ने ले ली, और आईसीसी ने कहा कि इतनी देर से शेड्यूल में बदलाव करना मुमकिन नहीं है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान के फैसले पर कई वजहों का असर था, जिसमें उन्होंने आईसीसी का बंगलादेश के प्रति पक्षपाती रवैया भी बताया। जियो न्यूज के मुताबिक, सूत्रों ने यह भी कहा कि पाकिस्तान टीम को विरोध के तौर पर भारत के खिलाफ मैदान में न उतरने का निर्देश दिया गया था। जवाब में, आईसीसी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड "आपसी सहमति वाले समाधान" की दिशा में काम करेगा।

अल-फलाह विश्वविद्यालय चेयरमैन जावेद सिद्दीका चार दिन की पुलिस हिरासत में

नयी दिल्ली, 05 फरवरी (वार्ता) एक निचली अदालत ने विवादों में घिरे अल-फलाह विश्वविद्यालय के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी को कथित धोखाधड़ी और वित्तीय कदाचार के मामले में चार दिन के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है। सिद्दीकी को दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे आगे की पूछताछ के लिए चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। यह कार्रवाई विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा दर्ज कराई गई औपचारिक शिकायतों के बाद शुरू की गई है। इससे पहले दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) ने उसे गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अपराध शाखा ने यूजीसी की शिकायतों के आधार पर सिद्दीकी के खिलाफ दो अलग-अलग प्राथमिकियां दर्ज की थीं। इनमें सिद्दीकी पर दस्तावेजों के फर्जीवाड़े और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। जांचकर्ताओं का कहना है कि सिद्दीकी की गिरफ्तारी एक बड़ी जांच का हिस्सा है और पूछताछ के बाद इस मामले में कई और बड़े खुलासे होने की उम्मीद है।